www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 160 || लखनऊ
शुक्रवार
11 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:49
सूर्यास्तः 06:15
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा ... >> पेज 04 | 2 टुकड़ों में मिला एयरफोर्स ... >> पेज 06 | पैपराजी पर भड़कीं तारा करीब आने पर ...

7 साल बाद भारत आएंगे शी जिनपिंग

मोदी से अहम मुलाकात संभव, गलवान के बाद रिश्तों पर नजर

पुष्टि

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। BRICS समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दोनों भारत आएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को जिनपिंग के भारत दौरे की पुष्टि की। इससे दो दिन पहले रूस ने भी पुतिन के भारत आने की पुष्टि की थी। जिनपिंग का यह 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत का पहला दौरा होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की भी उम्मीद है। 15 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने चार सैनिकों के मारे जाने की बात मानी थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2019 में भारत का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मोदी से मुलाकात की थी।

गलवान हिंसा के बाद बिगड़े थे भारत-चीन के रिश्ते

भारत और चीन के रिश्ते 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद बुरी तरह बिगड़ गए थे।

इस झड़प में दोनों देशों के सैनिक मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर तनाव काफी बढ़ गया।

हालांकि, इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी की कई मौकों पर मुलाकात हुई है।

दोनों नेता दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के दौरान आमने-सामने आए हैं।

पिछले साल चीन में हुई शंघाई सहयोग संगठन यानी SCO की बैठक के दौरान भी दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी।

> व्यापार और आर्थिक संबंध भी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा रेयर अर्थ मैगनेट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। ऐसे में मोदी-जिनपिंग की संभावित बैठक में आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों पर भी चर्चा की उम्मीद है।

14 साल की बच्ची से हिंसा गंभीर मामला : सीजेआई सूर्यकांत

आरोपी खुले घूमकर परिवार को डरा नहीं सकते, जंतर-मंतर प्रदर्शन में शामिल हुई थी नाबालिग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाली 14 साल की लड़की को परेशान करने और उसके घर में तोड़-फोड़ के आरोपों को गंभीरता से लिया है। मुख्य न्यायाधीश (CJI) की अध्यक्षता वाली बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा- अगर बच्चे के खिलाफ हिंसा करने वाले असामाजिक तत्व खुलेआम घूम रहे हैं और बच्ची को डराने की कोशिश कर रहे हैं, तो यह गंभीर बात हो सकती है। लड़की की FIR पर कार्रवाई और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। जंतर-मंतर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान बच्ची के पिता पर हमला हुआ था। इस मामले में आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को जेल भेज दिया गया है। बच्ची और

उसके पिता का आरोप है कि इसी मामले में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। कोर्ट ने इसी मामले पर यह टिप्पणी की है। सीजेआई ने कहा- अगर ऐसे असामाजिक तत्व हैं जिन्होंने बच्चे के खिलाफ हिंसा की है और वे खुलेआम घूम रहे हैं और बच्चे को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं तो यह एक गंभीर बात है। एसजी मेहता ने कहा कि उन्हें बच्चे की सोशल मीडिया पोस्ट से इस मामले के बारे में पता चला था।

>> (शेष पेज 06 पर)

35 और बनाने लायक प्लूटोनियम भी, समुद्र में बना रहा 'न्यूक्लियर कवच'

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा : भारत के पास 190 परमाणु बम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पास 190 परमाणु हथियार हैं। अगले कुछ सालों में यह 35 और बना सकता है, इस तरह यह संख्या 225 तक पहुंच सकती है। यह जानकारी अमेरिकी थिंक टैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (FAS) की नई रिपोर्ट में सामने आई है। भारत समुद्र से परमाणु हमला करने की क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों के बेड़े के जरिए भारत समुद्र में अपना 'न्यूक्लियर कवच' बना रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

नया रिएक्टर भी गेमचेंजर

अप्रैल 2026 में भारत के 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (PFBR) ने पहली बार क्रिटिकलिटी हासिल की। FAS के अनुमान के मुताबिक 80% क्षमता पर चलने पर यह सालाना करीब 140 किलो प्लूटोनियम-239 पैदा कर सकता है। इससे करीब 35 वॉरहेड बन सकते हैं। आगे ऐसे और फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों की योजना है।

दुनिया के 9 देशों के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार

SIPRI इयरबुक 2026 के अनुसार फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। इसमें से 9,745 इस्तेमाल के लिए तैयार हैं।

भारत के पास 730 किलो प्लूटोनियम था

भारत लगातार अपनी परमाणु ताकत को आधुनिक बना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई नए परमाणु सक्षम हथियार सेना में शामिल किए गए हैं। वहीं, कुछ नए हथियार सिस्टम अभी तैयार किए जा रहे हैं।

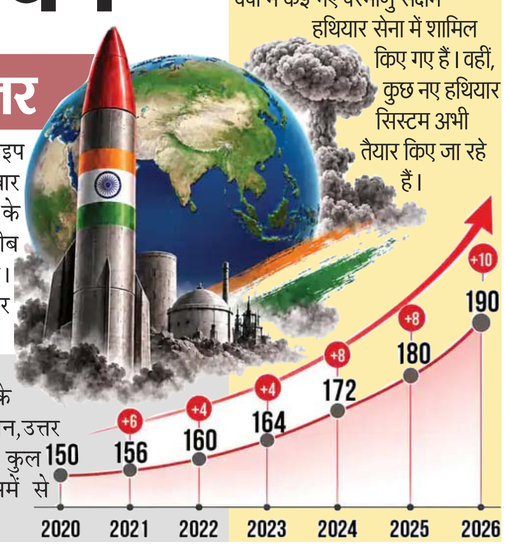

बीजेपी ने 7 प्रभारियों का किया ऐलान

हरीश द्विवेदी युवा मोर्चा तो सतीश पूनिया को एसटी मोर्चा की कमान

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए गुरुवार को अपने सात प्रमुख मोर्चों के प्रभारियों की घोषणा कर दी। पार्टी ने युवा, महिला, अनुसूचित जाति (एससी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), किसान, अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अल्पसंख्यक मोर्चों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी है। इन नेताओं का मुख्य काम संबंधित मोर्चों को संगठनात्मक रूप से मजबूत करना, राज्यों में टीम का गठन कराना और मोर्चों की गतिविधियों को पार्टी की व्यापक संगठनात्मक रणनीति से जोड़ना होगा। भाजपा की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक हरीश द्विवेदी को भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं डी. पुरंदेश्वरी को महिला मोर्चा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सतीश पूनिया को अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चे का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा संजय भाटिया को अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा और वैजयंत पांडा को ओबीसी मोर्चे का प्रभारी बनाया गया है। लाल सिंह आर्या को किसान मोर्चा तथा गजेंद्र पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चे की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी के मुताबिक सभी मोर्चा प्रभारी संबंधित मोर्चों के राष्ट्रीय अध्यक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे। उनकी जिम्मेदारी मोर्चों की राष्ट्रीय और प्रदेश कार्यकारिणी के गठन में सहयोग करने के साथ ही विभिन्न राज्यों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति और स्थानीय स्तर पर टीम तैयार करने में भी होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

मोर्चा प्रभारियों में राजस्थान-यूपी से एक-एक

■ **हरीश द्विवेदी:** उत्तर प्रदेश के बस्ती से दो बार लोकसभा सांसद रहे। 2014 और 2019 में बस्ती से लोकसभा चुनाव जीते। बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव रह चुके हैं।

■ **डी. पुरंदेश्वरी:** आंध्र प्रदेश की वरिष्ठ बीजेपी नेता। कांग्रेस में भी रह चुकी हैं और केंद्रीय मंत्री के रूप में काम किया है। लोकसभा की दो बार सदस्य रही हैं। बीजेपी की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

■ **सतीश पूनिया:** राजस्थान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। आमेर से विधायक रहे और राजस्थान विधानसभा में डिप्टी लीडर ऑफ अपोजिशन भी रहे। संगठन में लंबे समय से सक्रिय भूमिका।

■ **संजय भाटिया:** हरियाणा के करनाल से 2019 में लोकसभा सांसद चुने गए। बीजेपी हरियाणा के प्रदेश महासचिव रह चुके हैं। 2026 में हरियाणा से राज्यसभा सांसद चुने गए।

■ **बैजयंत पांडा:** ओडिशा के केंद्रापाड़ा से लोकसभा सांसद हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। इससे पहले बीजेडी से राज्यसभा और लोकसभा सांसद रह चुके हैं। 2019 में बीजेपी में शामिल हुए।

■ **लाल सिंह आर्या:** मध्य प्रदेश के गोहद से कई बार विधायक रहे। शिवराज सिंह चौहान सरकार में मंत्री रह चुके हैं। बीजेपी शेड्यू कास्ट मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

■ **गजेंद्र सिंह पटेल:** मध्य प्रदेश के खरगोन से लोकसभा सांसद। 2019 और 2024 में खरगोन से लोकसभा चुनाव जीते। पेशे से कृषक और राजनीतिज्ञ हैं।

संगठन विस्तार पर भाजपा का फोकस

भाजपा में नए संगठनात्मक ढांचे के गठन के बाद मोर्चों की जिम्मेदारियों का यह बंटवारा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी के सातों मोर्चे अलग-अलग सामाजिक और राजनीतिक वर्गों के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में इन मोर्चों के प्रभारियों की नियुक्ति के जरिए पार्टी ने जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

सतीश पूनिया

राजस्थान भाजपा के कद्दावर नेता हैं. वो राजस्थान में भाजपा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं. हरियाणा विधानसभा चुनाव में बतौर प्रभारी उन्होंने भाजपा की जीत की हैट्रिक पूरी करवाई थी. पूनिया अभी राज्यसभा सांसद हैं. अब उन्हें एसटी मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है.

फास्ट न्यूज़

लद्दाख मुद्दे पर सोनम वांगचुक की चेतावनी

नई दिल्ली। लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने लेह और कारगिल के नेताओं की बुधवार को दिल्ली में हुई बैठक पर निराशा जताई। वांगचुक ने कहा कि अगर लद्दाख के मुद्दे पर सरकार से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला तो 19 से 24 सितंबर तक फिर आंदोलन करेंगे। उन्होंने संवाददाता से कहा- हमें सरकार पर भरोसा है।

सीजेपी टीम पंजाब पहुंची, 2 टॉप स्कूल देखे

लुधियाना। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) की टीम पहली बार पंजाब के स्कूलों में पहुंची। प्रवक्ता सौरव दास व उनकी टीम ने लुधियाना के 3 स्कूलों का दौरा किया। इसमें से 2 स्कूल लुधियाना के टॉप स्कूल हैं, जिनमें उन्हें कोई खामियां नहीं मिली। जबकि, एक स्कूल के टॉयलेट ठीक हालत में नहीं मिले। टीम को गर्ल्स टॉयलेट बिना दरवाजे के मिले। इस पूरी विजिट का एक वीडियो सौरव दास ने गुरुवार शाम को अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर शेयर किया है। इसमें बताया कि उन्होंने स्कूलों की ऑडिट रिपोर्ट मंत्री हरजोत सिंह बैंस को दी है।

उज्जैन में सड़क के रास्ते में हनुमान प्रतिमा

उज्जैन। उज्जैन में सड़क के बीच हनुमान प्रतिमा को प्रशासन 6 दिन से हिला नहीं पाया है। प्रशासन ने सड़क चौड़ीकरण के लिए सती गेट के पास स्थित हनुमान मूर्ति को हटाने की कोशिश 4 सितंबर को शुरू की, लेकिन नाकाम रहा। प्रशासन की ओर से करीब एक हफ्ते में मंदिर के आसपास का ज्यादातर हिस्सा तोड़ा जा चुका है, जबकि हनुमान मूर्ति फिलहाल टेंट में है।

पहचान के आधार पर हमला भी त्रासदी : राहुल गांधी

मणिपुरी संगीतकार को श्रद्धांजलि दी, दिल्ली में 4 दिन पहले 6 लोगों ने घर में घुसकर मार डाला था

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को मणिपुर के दिवंगत संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, 'विक्रम को सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वे मणिपुर से आते थे। एक युवा की हत्या अपने आप में बड़ी त्रासदी है। इसके साथ ही किसी व्यक्ति पर उसकी पहचान और वह किस जगह से आया है, इस आधार पर हमला होना भी चिंता की बात है।' दिल्ली

■ राहुल ने वंगत संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह को श्रद्धांजलि दी।

6 सितंबर को 54 साल के मणिपुर मूल के संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। विक्रम की हत्या के मामले में पुलिस ने मंगलवार को 7 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें एक नाबालिग भी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> राहुल गांधी ने कहा कि विक्रम की हत्या हुई या नहीं हुई, इस घटना में हिंसा जरूर थी। इसमें हिंसा, नफरत और अहंकार दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि आजकल एक सोच जैसी बनती जा रही है कि अगर कोई व्यक्ति ताकतवर है तो वह हिंसा कर सकता है। राहुल ने इस रवैये को गलत बताते हुए कहा कि ताकत के आधार पर किसी के साथ हिंसा करना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

फैसला : हम मौजूदा स्थिति को बदलना नहीं चाहते, बिल्डिंग गिरने से 7 की मौत हुई थी

हाईकोर्ट ही सुनवाई करे : सुप्रीम कोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के सत्य निकेतन में PG हादसे में आज सुनवाई की। कोर्ट ने मामले को हाईकोर्ट में रखने का फैसला लिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि हम मौजूदा स्थिति को बदलना नहीं चाहते हैं। इससे पहले कोर्ट ने 8 सितंबर को कहा था कि मामला केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि देशभर में जर्जर-अवैध इमारतों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। 7 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इस मामले में सुनवाई की थी। हाईकोर्ट ने कहा था- हादसे के लिए

दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं। सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला PG बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 7 सितंबर को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने एमसीडी (MCD), दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनएचआरसी (NHRC) और दिल्ली यूनिवर्सिटी से 10 दिन में जवाब मांगा था। इसके बाद बुधवार को सीएम ने MCD को अवैध PG हॉस्टलों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। MCD ने PG बिल्डिंग के पास की इमारतों को गिराना शुरू कर दिया है। इन इमारतों में गर्ल्स PG था। लड़कियां PG खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट हो रही हैं। दिल्ली पुलिस ने PG हादसे में बुधवार को सुधांशु नाम के युवक को गिरफ्तार किया है।

>> (शेष पेज 06

ठेकेदार बोला- 10 दिन पहले रेनोवेशन के लिए लगाया था

पूछताछ में ठेकेदार सनोज ने बताया कि महेश गुप्ता ने उसे 10 दिन पहले रेनोवेशन के लिए लगाया था। उसे 2800 रुपये रोज मिलते थे। काम बेसमेंट को ग्राउंड फ्लोर के बराबर लेवल करने का था, जिसके लिए बेसमेंट में करीब 3 ट्रक मलबा भरा गया था।

इंडिगो की लखनऊ-सऊदी अरब फ्लाइट की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

टॉयलेट में बम की धमकी लिखा टिश्यू पेपर मिला, 10 दिन में दूसरी घटना

हड़कंप

तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद। लखनऊ से सऊदी अरब के दम्माम जा रही इंडिगो की फ्लाइट में गुरुवार को बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान क्रू मेंबर को विमान के टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर मिला, जिस पर अंग्रेजी में 'बम' लिखा था। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया और विमान की अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को आइसोलेशन एरिया में ले जाया गया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने विमान के केबिन, सीटों, कार्गो और

यात्रियों के सामान की गहन जांच की। शुरुआती जांच में विमान के अंदर किसी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक के मिलने की जानकारी नहीं है। फ्लाइट के दौरान क्रू मेंबर को टॉयलेट में टिश्यू पेपर मिला, जिस पर अंग्रेजी में सिर्फ 'बम' लिखा था। इसके बाद चालक दल ने मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह संदेश किसने और किस मकसद से लिखा था। बम की धमकी की सूचना के बाद यात्रियों में भी चिंता की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि अहमदाबाद में विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया। एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई।

5:55 बजे अहमदाबाद में उतारा गया विमान

फ्लाइट को शाम करीब 5:55 बजे सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर-राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। विमान में 133 यात्री सवार थे। लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से बाहर निकालकर टर्मिनल-2 ले जाया गया।

7,500 से 25 हजार स्टाइपेंड करने की मांग, दूर-दराज से आए मरीज बिना इलाज लौटे

इंटर्न के प्रदर्शन से ओपीडी बंद, मरीज परेशान

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में स्टेट नेशनल होम्योपैथिक कॉलेज एंड हॉस्पिटल में गुरुवार को इंटर्न मेडिकोज ने प्रदर्शन किया। इस दौरान OPD बंद रही। इलाज और दवा के लिए पहुंचे मरीजों को बिना डॉक्टर को दिखाए लौटना पड़ा। हरदोई समेत दूर-दराज से आए मरीज घंटों परेशान रहे। मरीजों का कहना है कि प्रदर्शन कर रहे इंटर्न की मांगों का जल्द समाधान होना चाहिए, लेकिन OPD बंद होने से इलाज नहीं रुकना चाहिए।

इंटर्न स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें अभी हर महीने 7,500 रुपए मिलते हैं। वे इसे बढ़ाकर 25 हजार रुपए करने की मांग कर रहे हैं। कहकशां ने बताया कि वह सुबह जल्दी बच्ची को दिखाने और उसका अल्ट्रासाउंड कराने अस्पताल पहुंची थीं। यहां OPD बंद मिली। उन्हें बताया गया कि 4 से 5 दिन तक काम बंद रहेगा। दुबग्गा से अपनी पत्नी को दिखाने आए सुफियान ने बताया कि अस्पताल बंद होने से मरीजों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन कर रहे लोगों की जो भी मांगें और परेशानियां हैं, उन्हें सरकार के सामने रखा जाना चाहिए, ताकि उनका समाधान हो सके। मरीजों की परेशानी को देखते हुए सरकार को इस मामले में जल्द फैसला करना चाहिए। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि वे करीब 15 साल से अपनी मांगों को लेकर परेशान हैं। उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाकर समाधान कराने का प्रयास होना चाहिए। राजकीय नेशनल होम्योपैथिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार पुष्कर ने बताया कि इंटर्न डॉक्टरों के स्टाइपेंड बढ़ाने को लेकर शासन को पहले ही अवगत कराया जा चुका है।

लखनऊ के नेशनल होम्योपैथी कॉलेज एंड हॉस्पिटल में OPD बंद करा इंटर्न कर रहे प्रदर्शन।

कई स्तर पर उठा चुके हैं मांग

इंटर्न काजल यादव ने बताया कि स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर कई दिनों से प्रदर्शन किया जा रहा है। पहले कॉलेज कैंपस में, फिर चौराहे पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से मिलकर भी मांग रखी गई थी। उन्होंने भरोसा दिया था, लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ। काजल ने बताया कि एक दिन पहले GPO पर भी प्रदर्शन किया गया था। इसके बाद सुनवाई नहीं हुई तो OPD बंद करने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि मरीजों की परेशानी को लेकर उन्हें पूरी सहानुभूति है।

कीर्तिका पांडेय ने बताया कि दूसरे राज्यों में होमियोपैथी सहित आयुष की सभी को बढ़ावा दिया जा रहा है। पर अपने प्रदेश में ऐसा नहीं है। NEET क्वालीफाई करके यहां दाखिला मिला है। सभी से बराबरी का बर्ताव होना चाहिए।

इंटर्न ने OPD बंद कर नारेबाजी की।

मरीज बोले- बिना इलाज लौटना पड़ा

हरदोई से आए विनोद कुमार ने बताया कि उन्हें एलर्जी की समस्या है। इसी अस्पताल से दवा लेते हैं और उससे फायदा होता है। गुरुवार को दवा लेने आए थे, लेकिन इलाज नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि उनके सामने करीब 400-500 मरीज बिना दवा लिए लौट गए। माया देवी दोनों पैरों में दर्द की शिकायत लेकर डॉक्टर को दिखाने पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि OPD बंद होने के कारण डॉक्टर को नहीं दिखा पाईं। अब बिना दवा लिए ही लौटना पड़ेगा।

रायबरेली की जनता और महिलाओं के साथ अन्यायपूर्ण राजनीति कर रहे राहुल गांधी

योगी सरकार के मंत्री ने किया करारा पलटवार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेता एवं रायबरेली के सांसद राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि रायबरेली की दिशा बैठक में राहुल गांधी का जोर जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर उन्हें गति देने के बजाय 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं में खामियां तलाश कर राजनीति करने पर अधिक रहा। मंत्री ने कहा कि बैठक में राहुल गांधी के रवैये से निराशा हुई।

राज्यमंत्री ने कहा कि दिशा बैठक में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम की चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने संबंधित अधिकारी से पूछा कि इस योजना में क्या होता है। यदि दिशा समिति के अध्यक्ष को ही योजना की जानकारी नहीं होगी तो उसका अनुश्रवण और समन्वय कैसे होगा। इसके बाद राहुल गांधी ने योजना के प्रचार-प्रसार पर होने वाले खर्च को जानने पर अधिक जोर दिया। इससे ऐसा लगा कि योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के बजाय उसमें खामी तलाशना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों और मातृशक्ति के सम्मान से जुड़ा अभियान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है।

फास्ट न्यूज

सिविल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी का आगाज

लखनऊ । लखनऊ में स्वाइन फ्लू को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। बुखार होने पर लोग पैनिक न करें और मास्क लगाकर सावधानी बरतें। यह बात डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी OPD के शुभारंभ के दौरान कही। ब्रजेश पाठक ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार इलाकों में जाकर निगरानी कर रही हैं।

दरोगा ने भाजपा बूथ अध्यक्ष का सिर फोड़ा

सरोजनीनगर, लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाने के दरोगा सचिन यादव ने भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष का सिर फोड़ दिया। उसके सिर पर पिस्टल की बट से मारा। बूथ अध्यक्ष को दरोगा के पीटने से बचाने आए उसके भाई को दरोगा की टीम ने लाठियों से पीटा। पत्नी के पेट पर लात मार दी, जिससे वह गिर गई। दरअसल, बूथ अध्यक्ष का अपने पड़ोसी से दिन में दुकान लगाने को लेकर झगड़ा हुआ था। वह शिकायत करने गया तो उसे पुलिस ने शिकायत लेकर जांच करने को कहा। उसके बाद जिससे झगड़ा हुआ था, वह भी थाने पहुंचा। तब दरोगा अपनी टीम के साथ पूछताछ करने पहुंचे थे।

छात्र को पिस्टल दिखाकर किडनैप की कोशिश

लखनऊ। लखनऊ के मल्हौर स्थित प्राइवेट यूनिवर्सिटी में BA-LLB सेकंड ईयर के छात्र ने अपने सहपाठी और उसके साथियों पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। छात्र का आरोप है कि उसे पिस्टल दिखाकर जबरन कार में बैठाने की कोशिश की गई। विरोध करने पर आरोपियों ने कॉलेज के बाहर मिलने और जान से मारने की धमकी दी।

सपा मुख्यालय के बाहर जेन-जी के समर्थन में पोस्टर

पोस्टर पर लिखा- जेन-जी का जनादेश बदलेगा उत्तर प्रदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 2027 विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने युवाओं और खासकर जेन-जी वोटरों पर अपना फोकस बढ़ाना शुरू कर दिया है। राजधानी लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय के बाहर जेन-जी युवाओं के समर्थन में पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों पर लिखा है- "जेन-जी का जनादेश बदलेगा उत्तर प्रदेश।" पोस्टर के जरिए पार्टी की ओर से युवा मतदाताओं को राजनीतिक संदेश देने की कोशिश मानी जा रही है। विधानसभा चुनाव से पहले सपा लगातार युवाओं को अपने साथ जोड़ने की रणनीति पर काम करती नजर आ रही है।

सपा की नई रणनीति में युवाओं के साथ नए चेहरों को भी अधिक तवज्जो देने की तैयारी के संकेत मिल रहे हैं। पार्टी का फोकस ऐसे युवा मतदाताओं पर है, जो आने वाले विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभा सकते हैं। मुख्यालय के बाहर लगाए गए पोस्टरों को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

नंद किशोर गुर्जर बोले- इसका मतलब भाजपा पर भरोसा है, योगी आदित्यनाथ जाति से ऊपर

'समाज मांग कर रहा है कुर्मी मुख्यमंत्री बनना चाहिए'

> लोनी में नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म की घटनाओं का जिक्र करते हुए गुर्जर ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं पर विपक्ष के नेताओं की ओर से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं आई।सरकार की पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में कुर्मी समाज से मुख्यमंत्री बनाने की मांग के बीच भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने इसका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अगर कुर्मी समाज भाजपा से मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहा है तो यह अच्छी बात है। इसका मतलब है कि समाज को भाजपा पर भरोसा है। मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला पार्टी करेगी। गुर्जर ने कहा कि कुर्मी समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनना चाहिए, बिल्कुल बनना चाहिए।

योगी आदित्यनाथ को लेकर नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि संत की कोई जाति नहीं होती। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ में कुर्मी, जाट, गुर्जर और ब्राह्मण समेत सभी समाजों का प्रतिनिधित्व है। भगवा किसी जाति का प्रतीक नहीं है। उन्होंने कहा कि संत बनने के बाद जाति की पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति पूरे सनातन का प्रतिनिधित्व करता है। लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियों के सवाल पर गुर्जर ने कहा कि वह ऐसी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि विदेश में बैठे कुछ लोग उन्हें बम से उड़ाने और उनके पीछे नेटवर्क लगाए जाने जैसी धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि धमकी देने वालों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी गई है और कार्रवाई की मांग की गई है।

2027 में सपा को लेकर किया बड़ा दावा

2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर गुर्जर ने कहा कि भाजपा का संगठन, विधायक और कार्यकर्ता चुनाव को लेकर सक्रिय हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर जातीय और धार्मिक राजनीति करने का आरोप लगाया। सपा की PDA रणनीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि केवल पिछड़ा, दलित और अब पंडित की बात करने से वोट नहीं मिलेंगे, बल्कि जमीन पर इन वर्गों के साथ होने वाली घटनाओं पर भी विपक्ष को आवाज उठानी चाहिए।

गुर्जर ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की स्थिति बेहद खराब होगी और उसे 27 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

ब्राह्मण मुद्दे पर भी सपा को घेरा

ब्राह्मणों के अपमान के आरोपों को लेकर पूछे गए सवाल पर गुर्जर ने समाजवादी पार्टी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों को प्रदेश की जनता भूली नहीं है। उन्होंने भाजपा सरकार पर ब्राह्मण समाज का सम्मान करने का दावा करते हुए कहा कि संत और ब्राह्मण समाज को लेकर राजनीति करने से सपा को कोई फायदा नहीं होगा।

राम मंदिर से जुड़े चंदे में कथित गड़बड़ी के सपा के आरोपों पर गुर्जर ने कहा कि मामले में जांच और कार्रवाई चल रही है।

सेवादारों ने निकलवाईं, डेढ़ महीने में तीसरी बार घटना, कुंड में जबरदस्त काई जमी

बुद्धेश्वर के सीताकुंड में फिर हजारों मछलियां मरीं

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । पारा बुद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर के ऐतिहासिक सीताकुंड में गुरुवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में मछलियां मरी हुई मिलीं। स्थानीय लोगों के अनुसार, डेढ़ महीने के अंदर तालाब में बड़ी संख्या में मछलियों के मरने की यह तीसरी घटना है। लगातार हो रही इन घटनाओं के बावजूद तालाब की सफाई और पानी की जांच नहीं कराई जा रही है। सुबह तालाब की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां उतराती दिखीं। कुछ ही देर में मंदिर परिसर और आसपास के लोग वहां जमा हो गए। लोगों का आरोप है कि तालाब की साफ-सफाई को लेकर मंदिर के प्रशासक एसडीएम सदर अभिषेक सिंह गंभीर नहीं है। तालाब में जोरदार काई जमी हुई है। मंदिर के पुजारी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। लोगों का कहना है कि सीताकुंड धार्मिक आस्था से जुड़ा एक अहम स्थल है। ऐसे में बार-बार मछलियों की मौत की घटनाओं को नजरअंदाज करना चिंता की बात है। इस मामले में एसडीएम सदर अभिषेक सिंह का पक्ष जानने की कोशिश की गई, लेकिन 3 बार कॉल के बावजूद रिस्पॉन्स नहीं मिला।

मछलियों के मरने से बदबू फैल रही है

स्थानीय लोगों ने बताया कि मरी हुई मछलियों के तालाब में पड़े रहने से बदबू फैल रही है। इससे मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है। लोगों ने आशंका जताई कि अगर समय पर सफाई नहीं हुई, तो गंदगी और बदबू के कारण स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

मरी हुई मछलियों को तालाब से बाहर निकलवाने के लिए सेवादार और व्यापार मंडल के पदाधिकारी आगे आए। सेवादार अंश लाला, बउवा कश्यप और बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मंडल के मंत्री प्रियांशु गुप्ता समेत कई लोगों ने मरी मछलियों को तालाब से बाहर निकाला। इसके बाद गड्ढा खोदकर मछलियों को जमीन में दबवा दिया गया।

> स्थानीय लोगों ने मांग की है कि तालाब के पानी की तुरंत जांच कराई जाए। साथ ही मछलियों की मौत के असली कारण का पता लगाया जाए। तालाब की नियमित सफाई और पानी की गुणवत्ता की निगरानी की व्यवस्था करने को भी कहा।

विजिलेंस ने आजम खान पर की एफआईआर

हज समिति की जमीन बेचने में गड़बड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की जमीन की बिक्री में गड़बड़ी के मामले में विजिलेंस ने सपा नेता और तत्कालीन हज समिति अध्यक्ष आजम खान समेत 5 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है। विजिलेंस जांच में जमीन की बिक्री से समिति को 2.08 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान की पुष्टि हुई है। आरोप है कि निजी फर्म को फायदा पहुंचाने के लिए जमीन की बिक्री में नियमों की अनदेखी की गई और पद का दुरुपयोग किया गया। विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर में इंस्पेक्टर ध्रुव चंद्र मौर्य की तहरीर पर FIR दर्ज की गई है। मामला राजधानी के ऐशबाग क्षेत्र स्थित कायमखेड़ा (दुगांवा) की जमीन से जुड़ा है। यहां खसरा संख्या-117 में राज्य हज समिति की करीब 60 हजार वर्गफीट जमीन बताई गई है। जांच में सामने आया कि इस जमीन की बिक्री में नियमों का पालन नहीं किया गया। विजिलेंस के मुताबिक, इससे समिति को राजस्व का नुकसान हुआ।

FIR में तत्कालीन हज समिति अध्यक्ष आजम खान के अलावा तत्कालीन सचिव लईक अहमद और डॉ. एमएए खान को आरोपी बनाया गया है। आमिश डेवलपर्स के प्रोपराइटर मो. अयूब और मुस्तकीम अहमद को भी मामले में आरोपी बनाया गया है।

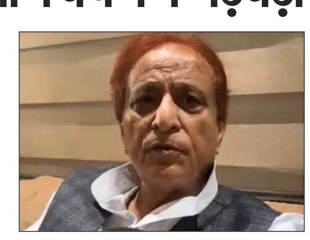

घटना : घर में घुसकर भाई को लाठी, पत्नी को लात मारी, झगड़े की जांच करने पहुंची थी टीम

दरोगा ने भाजपा बूथ अध्यक्ष का सिर फोड़ा

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनीनगर, लखनऊ । लखनऊ के बंथरा थाने के दरोगा सचिन यादव ने भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष का सिर फोड़ दिया। उसके सिर पर पिस्टल की बट से मारा। बूथ अध्यक्ष को दरोगा के पीटने से बचाने आए उसके भाई को दरोगा की टीम ने लाठियों से पीटा। पत्नी के पेट पर लात मार दी, जिससे वह गिर गई। दरअसल, बूथ अध्यक्ष का अपने पड़ोसी से दिन में दुकान लगाने को लेकर झगड़ा हुआ था। वह शिकायत करने गया तो उसे पुलिस ने शिकायत लेकर जांच करने को कहा। उसके बाद जिससे झगड़ा हुआ था, वह भी थाने पहुंचा। तब दरोगा अपनी टीम के साथ पूछताछ करने पहुंचे थे।

> घटना बंथरा थाना क्षेत्र के खसरवारा गांव की बुधवार रात 11 बजे की है। भाजपा के पीड़ित बूथ अध्यक्ष अरविंद रावत ने इसकी शिकायत एसीपी से गुरुवार दोपहर की है। दरोगा की टीम के भाजपा बूथ अध्यक्ष के घर में घुसने और लोगों के साथ मारपीट करने के वीडियो शाम को सामने आए।

अरविंद रावत
भाजपा बूथ अध्यक्ष

खसरवारा गांव के भाजपा बूथ अध्यक्ष अरविंद रावत का गांव के ही साहिल, सारजन और राहुल से दुकान लगाने को लेकर बुधवार को झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों में रात करीब 8:30 बजे मारपीट भी हुई। इसके बाद अरविंद बंथरा थाने पहुंचे। वहां दूसरे पक्ष पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत दी। इसके बाद पुलिस ने उन्हें जांच करने को कहकर घर वापस भेज दिया। कुछ देर बाद दूसरे पक्ष के लोग भी थाने पहुंचे। उन्होंने भी अरविंद जैसे ही आरोप लगाकर शिकायत दी। जब उसी घटना की शिकायत 2 पक्षों से आ गई, तो पुलिस अरविंद रावत के घर रात 11 बजे पहुंच गई। सब लोग सो रहे थे। उन्हें जगाकर पूछताछ के साथ मारपीट शुरू कर दी।

रिटायर्ड रेलवे टेक्नीशियन को डिजिटल अरेस्ट कर 9 लाख ठगे

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरा-नगर बेगम पूर्वा निवासी रेलवे से रिटायर्ड टेक्नीशियन वीरेंद्र कुमार सरकार (64) साइबर ठगों के डिजिटल अरेस्ट कर 9 लाख रुपए ठग लिए। आरोपियों ने वाट्सएप कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी बताया। इसके बाद वीरेंद्र को पुलवामा हमले के आतंकियों की गतिविधियों में संलिप्तता और उनके खिलाफ 14 साल की सजा वाले मुकदमे में नाम आने की बात कहकर डराया। आरोपियों ने सीबीआई जांच का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट का फर्जी गिरफ्तारी वारंट, संपत्ति जब्ती आदेश और आरबीआई के दस्तावेज तक भेजे।

वीरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 1 सितंबर को प्रेम कुमार गौतम और शिवकुमार गौतम नाम के लोगों ने वाट्सएप के जरिए उनसे संपर्क किया। दोनों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया।

महासमाधि दिवस पर यूपी पर्यटन की बड़ी पहल

नीब करोरी बाबा के नाम से बना नया आध्यात्मिक सर्किट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । श्रद्धेय संत नीब करोरी बाबा के 'महासमाधि दिवस' पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने उनकी आध्यात्मिक विरासत को देश-दुनिया के श्रद्धालुओं तक पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नीब करोरी बाबा के जीवन और विरासत से जुड़े प्रमुख स्थलों को जोड़कर आध्यात्मिक पर्यटन का नया सर्किट विकसित किया जा रहा है। इसी अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटी-डीसी) ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए 'बाबा नीब करोरी' के पांच विशेष टूर पैकेज भी शुरू किए हैं। इसके साथ ही फिरोजाबाद और फर्रुखाबाद में पर्यटन सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास पर लगभग 12.93 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। फिरोजाबाद के अकबरपुर को बाबा नीब करोरी की जन्मस्थली के रूप में विकसित किया जा रहा है। फेज-1 के तहत पर्यटन सुविधाओं के विकास पर 8.65 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसके अलावा 2.22 करोड़ रुपये की फेज-2 परियोजना का 60 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है और इसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

- नीब करोरी बाबा की विरासत को बड़ा सम्मान, यूपीएसटीडीसी ने शुरू किए 5 प्रकार के खास टूर पैकेज
- दिल्ली-लखनऊ से चलेंगे बाबा नीब करोरी के विशेष टूर 2, 3 और 5 दिन के पैकेज शुरू
- 12.93 करोड़ से संवरेंगे बाबा नीब करोरी से जुड़े स्थल, पर्यटन विभाग ने तैयार किया आध्यात्मिक ट्रेल नीब करोरी बाबा की विरासत को संरक्षित कर देश-दुनिया तक पहुंचा रही सरकारः जयवीर

कान बेचने से नाराज पत्नी-बच्चों ने मार डाला

रायबरेली में हत्या के बाद आरोपी फरार, गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 4 टीम बनाईं

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। खीरों थाना क्षेत्र के कान्हामऊ गांव में बुधवार सुबह मकान बेचने को लेकर हुए पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। मकान बेचने से नाराज पत्नी और दो बेटों ने घर के मुखिया आसाराम पाल (52) पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में गंभीर रूप से घायल आसाराम को पुलिस अपनी जीप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खीरों ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी पत्नी दोनों बेटों को लेकर फरार हो गई। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आसाराम की हालत गंभीर देखकर

उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई। बताया गया कि काफी देर इंतजार के बाद भी एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने समय गंवाए बिना आसाराम को अपनी जीप में बैठाया और खीरों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों ने आसाराम की जांच की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। घटना के बाद से गांव में तनाव और चर्चा का माहौल है। ग्रामीणों के मुताबिक जिस मकान में आसाराम रहता था।

आबादी वाला पुराना मकान बेचने से नाराज थे पत्नी और बेटे

बताया जा रहा है कि नशे की लत के चलते आसाराम ने गांव की आबादी के बीच स्थित अपना पुराना मकान गांव के ही एक व्यक्ति को बेच दिया था।

पत्नी और दोनों बेटों को जब मकान बेचने की जानकारी हुई तो उन्होंने इसका विरोध किया। परिवार को आशंका थी कि आसाराम आगे अपनी जमीन भी बेच सकता है। इसी बात को लेकर पत्नी और बेटों के साथ उसका विवाद चल रहा था।

परिजनों के बीच मकान बेचने के फैसले को लेकर नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही थी।

बुधवार सुबह इसी मुद्दे को लेकर एक बार फिर आसाराम और उसकी पत्नी-बेटों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

खेती कर परिवार का पालन-पोषण करता था आसाराम

कान्हामऊ गांव निवासी आसाराम पाल खेती-बाड़ी का काम करता था। गांव की आबादी के बीच उसका पुराना मकान बना हुआ था। वहीं, खेत में भी उसने एक मकान बना रखा था, जिसमें परिवार रहता था। खेत वाले मकान में कुल तीन कमरे हैं। बताया गया कि एक कमरे में आसाराम रहता था, जबकि बाकी दो कमरों में उसकी पत्नी शशि देवी और दोनों बेटे रोहित व गौरव रहते थे। ग्रामीणों के मुताबिक आसाराम पिछले काफी समय से नशे का आदी था। नशे की वजह से उसका पत्नी और बच्चों से अक्सर विवाद होता रहता था। परिवार के सदस्यों के बीच पहले से ही संबंध अच्छे नहीं थे और मकान व जमीन को लेकर भी विवाद की स्थिति बनी हुई थी।

जमीन बेचने की बात पर बढ़ा विवाद

सुबह करीब नौ बजे शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे बढ़ गया। कहासुनी के दौरान आसाराम ने खेत की जमीन भी बेचने की बात कही। जमीन बेचने की बात सुनकर पत्नी और दोनों बेटे और ज्यादा नाराज हो गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोप है कि शशि देवी, रोहित और गौरव ने आसाराम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में आसाराम के शरीर पर गंभीर चोटें आईं और वह बुरी तरह घायल होकर गिर पड़ा।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

अंतिम संस्कार में शामिल होने लखनऊ जा रहे थे, टक्कर मारकर फरार हुआ वाहन चालक

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में एक सड़क हादसे में 65 साल के मजदूर की मौत हो गई। वह गुरुवार को अपनी मौसी की बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल होने लखनऊ जा रहे थे। रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उनके सीएनजी ऑटो में टक्कर मार दी। मजदूर की मौके पर ही जान चली गई। टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। औरास थाना क्षेत्र के सीसी गांव के रहने वाले नन्हके (65) अपने परिवार का खर्च मजदूरी करके चलाते थे। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को वह सीएनजी ऑटो से लखनऊ जा रहे थे। उन्हें अपनी मौसी की बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल होना था। रास्ते में एक अज्ञात डाला वाहन ने सीएनजी ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने गुरुवार दोपहर पोस्टमार्टम हाउस में बताया कि

हादसे की खबर मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद डायल 112 की टीम वहां पहुंची। नन्हके के शव को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक नन्हके के छह बच्चे हैं, जिनमें पांच बेटे और एक बेटी शामिल हैं। उनके पास खेती की जमीन नहीं थी, इसलिए वह मजदूरी और बुग्गी-घोड़ा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे।

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में बाढ़ से घर नदी में समा रहे

बाराबंकी। बाराबंकी में नेपाल से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण घाघरा यानी सरयू नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी खतरे के निशान से करीब 50 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। रामनगर, सिरौलीगौसपुर और रामसनेहीघाट तहसील के सैकड़ों गांवों में बाढ़ और कटान का खतरा बढ़ गया है। रामनगर के हेतमापुर में सरयू अब गांव के अंदर तक कटान कर रही है। यहां 10 से 12 मकान नदी में समा चुके हैं।

विवाहिता की मौत, मायके वालों का प्रदर्शन

हरदोई। हरदोई में माधौगंज थाना क्षेत्र के गौरा गांव में 15 महीने पहले ब्याही प्रियंका (21) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मायके वालों ने ससुरालियों पर दहेज की मांग को लेकर परेशान करने और हत्या का आरोप लगाया है। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे परिजनों ने एसपी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रियंका को बुधवार रात करीब 7:30 बजे मेडिकल कॉलेज में मृत घोषित किया गया। उसकी एक माह की बेटी भी है। उन्नाव के फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के शिवपुरी निवासी पिता हरीलाल ने बताया कि उन्होंने बेटी प्रियंका की शादी माधौगंज के गौरा गांव निवासी मुकेश से की थी।

डेंटल अस्पताल में अर्थो के मरीजों का इलाज

उन्नाव। उन्नाव के बांगरमऊ कस्बे में प्राइवेट अस्पतालों के संचालन को लेकर प्रशासन की कार्रवाई में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां मल्टी केयर डेंटल हॉस्पिटल के नाम से चल रहे अस्पताल में दांतों के इलाज के साथ हड्डियों से जुड़े मरीजों का भी इलाज किया जा रहा था। शिकायत मिलने पर एसडीएम ब्रज मोहन शुक्ला ने गुरुवार सुबह अस्पताल में छापा मारा। जांच के दौरान हड्डियों के मरीज भर्ती मिले।

सनातन धर्म इंटर कॉलेज में शिक्षकों और छात्रों ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया नमन

पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती मनाई

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में सनातन धर्म इंटर कॉलेज में गुरुवार सुबह 9 बजे महान स्वतंत्रता सेनानी और भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती मनाई गई। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य दिवाकर ने पंडित पंत के चित्र पर माल्यार्पण कर की। इसके बाद शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

समारोह में उप प्रधानाचार्य अनिल अंबेडकर ने छात्रों को पंडित गोविंद बल्लभ पंत के व्यक्तित्व और कृतित्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि

पंत जी स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख सेनानियों में रहे।

आजाद भारत में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री और उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली। अपने कार्यकाल में उन्होंने कई सामाजिक और प्रशासनिक सुधार किए, जिनका लाभ समाज के पिछड़े वर्गों तक पहुंचा।

राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए मिला भारत रत्न

प्रधानाचार्य दिवाकर ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत का जन्म उत्तराखंड क्षेत्र में हुआ था, जो उस समय संयुक्त प्रांत का हिस्सा था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से शिक्षा पूरी करने के बाद वे राष्ट्र सेवा और राजनीति से जुड़ गए। शिक्षा, उद्योग, सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को देखते हुए वर्ष 1957 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि पंडित पंत का जीवन राष्ट्रनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को उनके जीवन से देश के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा सीखनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सत्यम दीक्षित ने किया, जबकि व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी अभिषेक अग्निहोत्री ने संभाली। इस दौरान प्रवक्ता राजबीर सिंह, वीरभानु सिंह यादव, अनिल पाल, दीप्त सोनकर, स्वतंत्र, बिंदु शेखर, सर्वेश शुक्ला, अभिनव और आदित्य सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मेडिकल टीम की नाव के करीब पहुंचा विशाल घड़ियाल

बाराबंकी में 10-12 फीट का दिखा, स्वास्थ्यकर्मी पर किया हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में बाढ़ के बीच ग्रामीणों तक दवा और जरूरी स्वास्थ्य सामग्री पहुंचाने निकली एक मेडिकल टीम उस वक्त डर गई, जब नदी में मौजूद 10 से 12 फीट के एक विशाल घड़ियाल ने उनकी नाव पर अचानक हमला कर दिया। बाराबंकी के सीएमओ डॉक्टर रंजन गौतम ने बताया कि यह घटना रामसनेहीघाट तहसील क्षेत्र के मारून गांव की है। घड़ियाल के नाव पर हमला करते ही उसमें सवार स्वास्थ्यकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग 4 सदस्य की टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में नाव के जरिए ग्रामीणों तक दवाएं और अन्य जरूरी सामान पहुंचाने जा रही थी। नाव नदी के

रास्ते आगे बढ़ रही थी, तभी पानी में मौजूद विशाल घड़ियाल अचानक नाव के बेहद करीब आ गया और उसने नाव पर हमला कर दिया। इस अचानक हुए हमले से नाव में बैठे स्वास्थ्यकर्मी घबरा गए। हालांकि, इस दौरान नाव चालक ने बहुत समझदारी दिखाई। चालक ने बिना घबराए पतवार की मदद से घड़ियाल को नाव से दूर भगाने की कोशिश की। उसकी तेजी से घड़ियाल पीछे हट गया और नाव सुरक्षित आगे निकल सकी। इस घटना में मेडिकल टीम के किसी भी सदस्य को चोट लगने की खबर नहीं है। सभी स्वास्थ्यकर्मी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। लेकिन नदी के बीच घड़ियाल के अचानक सामने आने की घटना ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में वन्यजीवों के खतरे को भी सामने ला दिया है। बाढ़ के कारण नदी और आसपास के पानी भरे इलाकों में पानी में रहने वाले जीवों की संख्या बढ़ गई है। ऐसे में राहत और स्वास्थ्य टीमों के सामने सिर्फ पानी और रास्ते की चुनौती नहीं, बल्कि वन्यजीवों का खतरा भी बना हुआ है। घटना के बाद मारून गांव और आसपास के इलाकों में डर का माहौल है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

घर के सामने मेडिकल स्टोर पर मुलाकात प्यार में बदली

हरदोई के अमित-नसरीन ने लखनऊ के होटल में किया सुसाइड

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में घर के सामने मेडिकल स्टोर से शुरू हुई अमित और नसरीन की प्रेम कहानी का अंत दर्दनाक हो गया। अरवल थाना क्षेत्र के करनपुर गांव निवासी 22 वर्षीय अमित और 19 वर्षीय नसरीन ने लखनऊ के चिनहट स्थित एक गेस्ट हाउस में जान दे दी। दोनों करीब 18 दिन से होटल के कमरे में रह रहे थे। पुलिस को कमरे से आर्य समाज मंदिर का शादी प्रमाणपत्र, सुसाइड नोट और मोबाइल मिला है। अमित 12वीं तक पढ़ा था और करीब एक साल से पालिया गांव में नसरीन के घर के सामने स्थित मेडिकल स्टोर पर सेल्स बॉय का काम करता था। मेडिकल स्टोर और नसरीन के घर के बीच करीब सात मीटर की दूरी

थी। रोजाना आमना-सामना होने के कारण दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। करीब 10 महीने पहले यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। 21 अगस्त की तड़के अमित नसरीन को लेकर घर से निकल गया। परिजनों को उसने हरिद्वार जाने की बात बताई थी। अगले दिन मेडिकल स्टोर संचालक संदीप अमित की तलाश में नसरीन के परिजनों के साथ उसके घर पहुंचा। इसके बाद

23 अगस्त को नसरीन के पिता उस्मान ने हरपालपुर थाने में अमित के खिलाफ अपहरण की शिकायत दर्ज कराई। दोनों हरदोई से लखनऊ पहुंचे और चिनहट के रेड बिल्डिंग गेस्ट हाउस में रहने लगे। पुलिस के मुताबिक दोनों करीब 18 दिन तक वहीं रहे। इस दौरान उन्होंने आर्य समाज मंदिर में शादी भी की। दस्तावेजों में नसरीन का नाम पूजा दर्ज किया गया था। हालांकि, परिजनों की असहमति और सामाजिक दबाव के चलते दोनों तनाव में थे। बुधवार रात दोनों ने होटल के कमरे में जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे से शादी का प्रमाणपत्र, सुसाइड नोट और कीपैड मोबाइल बरामद हुआ।

हरदोई में ईंट उतारकर लौट रहे थे, चालक गंभीर घायल, जिला अस्पताल रेफर

ट्रक ने ट्रैक्टर को मारी टक्कर, 2 मजदूरों की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई पाली थाना क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर गुरुवार दोपहर हुए सड़क हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा एक्सप्रेसवे पर पोल संख्या 280.8 के पास हुआ, जहां पीछे से आए ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान अनुज कश्यप (30) पुत्र स्वर्गीय अशोक कश्यप और नन्हें भैया कश्यप (22) पुत्र स्वर्गीय बाबूराम, निवासी मोहल्ला काजी सराय, कस्बा पाली के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दोनों मजदूर गुरुवार सुबह पाली कस्बे से ट्रैक्टर-

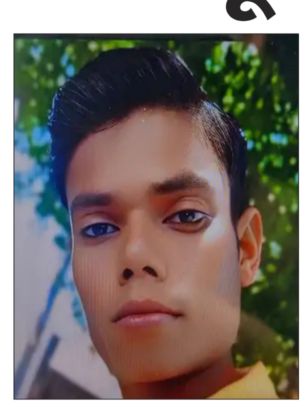

ट्रॉली में इंटरलॉकिंग ईंट लादकर शाहजहांपुर के जलालाबाद गए थे। काम पूरा करने के बाद वे ट्रैक्टर-ट्रॉली से वापस पाली लौट रहे थे। इसी दौरान गंगा एक्सप्रेसवे पर पीछे से आए ट्रक ने उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की सूचना पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची। दोनों घायल मजदूरों को सवायजपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, ट्रैक्टर चालक पवन पुत्र केशराम, निवासी मोहल्ला काजी सराय, गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि हादसे के दौरान पवन ट्रैक्टर से नीचे कूद गया था। इसके बाद ट्रैक्टर पलटकर उसकी टांग पर जा गिरा, जिससे उसकी टांग बुरी तरह कुचल गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक नन्हें भैया कश्यप के चचेरे भाई अर्जुन कश्यप ने बताया कि दोनों मजदूर सुबह पाली से इंटरलॉकिंग ईंट लेकर जलालाबाद गए थे। वहां से लौटते समय यह हादसा हो गया। बताया गया कि नन्हें भैया अपनी मां के इकलौते बेटे थे। उनके पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है। सवायजपुर थानाध्यक्ष प्रिंस कुमार ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

चर्चा : डीएम से बोले- परीक्षा तक मौजूदा व्यवस्था न बदलें, पढ़ाई पर पड़ेगा असर

अभ्युदय कोचिंग के स्थानांतरण से छात्र चिंतित

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के अभ्युदय कोचिंग में पीसीएस और एसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र पढ़ाई का स्थान बदले जाने की चर्चा से चिंतित हैं। छात्रों ने गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे जिलाधिकारी को आवेदन देकर परीक्षा तक मौजूदा अध्ययन स्थल और व्यवस्था को यथावत रखने की मांग की। छात्रों का कहना है कि परीक्षा की तैयारी के इस महत्वपूर्ण समय में कोचिंग का स्थान बदलने से उनकी पढ़ाई और एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। नए स्थान के माहौल में ढलने में भी समय लगेगा। छात्रों ने परिसर के आसपास की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि छात्रों की संख्या बढ़ने

से दोपहिया और अन्य वाहनों की आवाजाही बढ़ेगी। क्लास शुरू होने और छुट्टी के समय मुख्य सड़कों पर भीड़ बढ़ने से जाम और अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है। उन्होंने प्रशासन से परिसर के आसपास ट्रैफिक व्यवस्था को भी व्यवस्थित रखने की मांग की है। छात्रों ने बताया कि यूपीपी-सीएस की प्रारंभिक परीक्षा 6 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित है। परीक्षा में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। ऐसे में अध्ययन स्थल और व्यवस्था में बदलाव होने से उनकी तैयारी प्रभावित होने की आशंका है। परीक्षार्थियों ने कहा कि इस समय उन्हें नए स्थान पर जाने के बजाय मौजूदा

ज्यादा कक्षाएं और भीड़ बढ़ने से एकाग्रता प्रभावित होने की आशंका

छात्रों ने आवेदन में बताया कि डायट परिसर में पहले से ही कई कक्षाएं और अन्य गतिविधियां संचालित होती रहती हैं। कई बार एक ही समय में छात्रों के आने-जाने और कक्षाएं चलने से शोर होता है। उनका कहना है कि अगर इसी परिसर में और छात्रों को लाकर कक्षाएं और लाइब्रेरी संचालित की जाती हैं तो भीड़ और गतिविधियां बढ़ेंगी। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की एकाग्रता प्रभावित हो सकती है।

व्यवस्था में ही लगातार पढ़ाई करने का अवसर मिलना चाहिए। शांत और अनुशासित माहौल में वे परीक्षा की बेहतर तैयारी कर सकेंगे।

छात्रों के मुताबिक, डायट परिसर में उन्हें पढ़ाई के लिए शांत, अनुशासित और सुविधाजनक माहौल मिल रहा है। अभ्युदय योजना के तहत संचालित कोचिंग को कहीं और शिफ्ट करने की जानकारी से विद्यार्थी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में वे लगातार अपनी तैयारी कर रहे हैं। ऐसे समय में स्थान बदलने से पढ़ाई का रूटीन प्रभावित होने की आशंका है।

उन्नाव में मां ने कपड़े धोने को कहा तो नाराज होकर कूदा था

सईं नदी में डूबे किशोर का शव बरामद हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के असोहा इलाके में साईं नदी में डूबे 17 साल के किशोर आदित्य मौर्य का शव दो दिन बाद गुरुवार दोपहर को मिला। आदित्य मंगलवार शाम करीब सात बजे नदी में कूदा था। घटना के बाद से परिवार और स्थानीय लोग उसकी तलाश कर रहे थे। शव मिलने की खबर से परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के उग्रापुर गांव के रहने वाले आनंद मौर्य का बेटा आदित्य मौर्य हाईस्कूल में पढ़ता था। वह अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे आदित्य जन्माष्टमी की झांकियों में

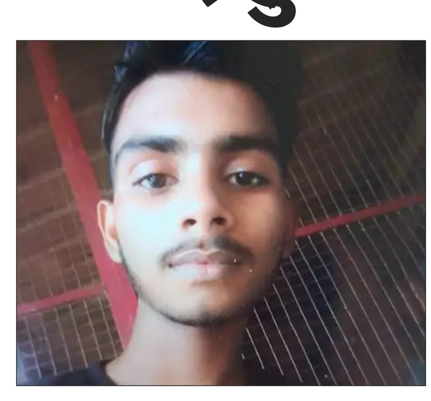

डीजे बजाने जाने वाला था। इससे पहले मां ने उसे कपड़े धोने को कहा था, जिससे वह नाराज हो गया। नाराजगी के बाद आदित्य घूमने के लिए घर से निकला। शाम करीब सात बजे वह असोहा क्षेत्र के देवरा घाट के पास साईं नदी में कूद गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसकी तलाश शुरू की।

परिजनों ने बताया कि आदित्य अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और अभी हाईस्कूल की पढ़ाई कर रहा था। उसकी मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गुरुवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले में जरूरी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि किशोर किन हालात में नदी में कूदा था।

सम्पादकीय

रेल सेवा का विस्तार

देश के व्यस्त रेल मार्गों पर यातायात के दबाव को देखते हुए सात रेल मार्गों को चार लेन का बनाने का फैसला समय की मांग के अनुरूप है। इस फैसले पर अमल से ट्रेनों की क्षमता बढ़ाने और यात्रा को ज्यादा सुगम बनाने में तो सहायता मिलेगी ही, ट्रेनों के लेट होने की समस्या का भी समाधान होगा। चूंकि जिन सात रेल मार्गों को चार लेन का करने का निर्णय लिया गया, वे सभी अति व्यस्त रेल रूट हैं, इसलिए देश के अनेक बड़े शहरों को इसका लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय यह भी है कि इससे यातायात के साथ माल ढुलाई भी बेहतर होगी। केंद्रीय कैबिनेट ने रेल सेवा के आधुनिकीकरण को ध्यान में रखते हुए तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। इनके पूरा होने से भारतीय रेलवे के नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।

समय के साथ जिस तरह आवाजाही तेजी के साथ बढ़ रही है, उसे देखते हुए रेल सेवा के आधुनिकीकरण और उसके विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह सही है कि सड़क यातायात अपेक्षाकृत सुगम होने के साथ हवाई सेवाएं भी नए-नए शहरों में पहुंच रही हैं, लेकिन भारत सरीखे बड़े और विशाल आबादी वाले देश में रेल सेवा का कोई विकल्प नहीं।

आज भी बड़ी संख्या में लोग रेल से यात्रा करना पसंद करते हैं, लेकिन ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता में कमी के कारण कुछ लोगों को मजबूरी में सड़क या हवाई सेवा का चयन करना पड़ता है। त्योहारों और अन्य विशेष अवसरों पर ट्रेनों में सीटें मिलना अभी भी कठिन बना हुआ है। एक समस्या उनकी लेट-लतीफी भी है। इसका कारण पर्याप्त रेल मार्ग न होना है। देश के अनेक क्षेत्र ऐसे हैं, जो अभी रेल सेवा से नहीं जुड़ सके हैं। कुछ बड़ी आबादी वाले क्षेत्र ऐसे हैं, जहां तक जाने के लिए ट्रेन कठिनाई से उपलब्ध होती है। इसे देखते हुए रेल सेवा का विस्तार कहीं अधिक तेजी से होना चाहिए। इसके पहले रेल मंत्री ने यह जानकारी दी थी कि स्वदेशी बुलेट ट्रेन का परीक्षण अगले वर्ष मई-जून में होगा और यदि सब कुछ सही रहा तो दिसंबर में उसका संचालन शुरू हो जाएगा। यह एक उपलब्धि तो होगी, लेकिन यह ध्यान रहे कि बुलेट ट्रेन परियोजना को साकार करने में देर हुई है। जापान, चीन और यूरोपीय देश न जाने कब से प्रमुख मार्गों पर बुलेट ट्रेन चला रहे हैं। इसी तरह एक सच्चाई यह भी है कि इन देशों में सामान्य ट्रेनों की औसत गति भारत के मुकाबले कहीं अधिक है। यह ठीक है कि पिछले कुछ वर्षों में चुनिंदा ट्रेनों की रफ्तार बढ़ी है, लेकिन अभी कुल मिलाकर उनकी गति सीमा दो सौ किमी प्रति घंटे के अंदर ही है और कुछ ट्रेनों को तो सुरक्षा कारणों से तय गति से कम रफ्तार में ही चलाने की मजबूरी है।

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

> यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं।

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा। भारत का हित किसी एक शक्ति-धुरव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुधुरवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं।

- ललित गर्ग

सामायिक दिवस

सामायिक बहुत कठिन हैं, क्योंकि दिन में चार- छह घंटे क्या , सामायिक बहुत कठिन हैं, क्योंकि दिन में चार- छह घंटे क्या , चार- छह मिनट भी समता भाव में रह पाना कठिन होता हैं । अरविंद आश्रम में एक विदेशी आया और श्री मां से प्रार्थना की आप मुझे कोई मुश्किल काम दें । सरल काम में मेरी रुचि नहीं हैं । मां ने सुना तो कहा कि तुम आत्मस्थ रहो, अपनी आत्मा में रहो, तुम्हारे लिए मैं यह काम दे रही हूं । आत्मा में रहना , अपने आप में रहना कोई सरल काम नहीं हैं । सामायिक पॉजिटिव एटीटयुड़ की अद्भुत साधना हैं।सक्सेसफूल लाइफ का उन्मेष सामायिक हैं । सामायिक हमारी कॉन्फ़िडेंस पावर को बढ़ाता हैं । सामायिक से 92 करोड़ 59 लाख 25 हजार 925 पल्योंपम के अशुभ कर्म दूर होते हैं । वह सामायिक से विश्व की समस्याओं का समाधान संभव हैं । 48 मिनट की समायिक से 84 लाख के अशुभ कर्म कर्म दूर होते हैं । समया धम्म मुदाहरे मुणी । भगवान ने समता को धर्म कहा है । सामायिक समता के विकास की साधना है । यह संवर की साधना है । सामायिक में साधक एक मुहूर्त्त 48 मिनट के लिए सावद्य योग का त्याग करता है । 18 पाप का सेवन सावद्य योग हैं । राग द्वेष से वशीभूत चित्त बार बार विषमता में चला जाता है क्योंकि चित्त बहुधा भौतिकता की सन्निधि से भावित रहता है । सामायिक आत्मा की सन्निधि में रहने का आयास है । आत्मा की सन्निधि का अर्थ है धर्म की सन्निधि, स्वभाव की सन्निधि । आत्मा की सन्निधि से कलुषता मिटती है एवं चित्त निर्मल होता है । सामायिक का उद्देश्य है चित्त की निर्मलता । हम सामायिक की साधना को प्रज्वलित रूप दें । समता की साधना को एक व्यवस्था के साथ करें एवं संकल्प के साथ करें । हमें इस तथ्य का भी स्पष्ट बोध होना चाहिए कि विषमता के कारण ये हैं । व्यक्ति सामायिक करता चला जाए और उसे यह ज्ञात न हो कि विषमता के कारण क्या हैं? सावद्य प्रवृत्ति आखिर हैं क्या ? इस स्थिति में वह समता को कैसे साध पाएगा? सावद्य प्रवृत्ति का एक वर्गीकरण भगवान् महावीर ने दिया - उसे मनोविज्ञान की भाषा में कहा जाए तो वह निषेधात्मक भावों का एक श्रेष्ठ वर्गीकरण हैं । अठारह सावद्य प्रवृत्तियों का या मनोविज्ञान की भाषा में निषेधात्मक भावों का चित्र हमारे सामने स्पष्ट रहें । हम एक - एक सावद्य प्रवृत्ति को जानें, यह सबसे पहले अपेक्षित हैं।

› प्रदीप छाजेड़

इस सांगठनिक उथल...

अशोक भाटिया

बहुजन राजनीति का असमंजस और बीएसपी का आंतरिक संकट

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सामाजिक न्याय और वंचितों की आवाज बनकर उभरी बहुजन समाज पार्टी आज अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। कभी सूबे की सत्ता पर पूर्ण बहुमत से राज करने वाली और देश की तीसरी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा रखने वाली बीएसपी इस समय केवल चुनावी मोर्चों पर ही नहीं, बल्कि अपने सांगठनिक ढांचे के भीतर भी एक गंभीर अंतर्विरोध से जूझ रही है। पार्टी सुप्रीमो मायावती द्वारा हाल ही में लखनऊ की राष्ट्रीय बैठक में लिए गए फैसले—विशेषकर अपने भतीजे और घोषित उत्तराधिकारी आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाना और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ पर कार्रवाई करना—इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि हाथी के कुनबे में सब कुछ ठीक नहीं है। यह घटनाक्रम केवल एक परिवार के भीतर का कलह नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक दल के वैचारिक भटकाव और सांगठनिक ठहराव को दर्शाता है जिसने कभी 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के नारे के साथ देश की सत्ता संरचना को चुनौती दी थी। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीएसपी के भीतर मची यह उथल-पुथल पार्टी के भविष्य और दलित राजनीति की

दिशा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। इस संकट के केंद्र में आकाश आनंद को लेकर लिया गया 'यू-टर्न' और सांगठनिक नेतृत्व का संकट है। मायावती ने आकाश आनंद को 'राजनीतिक रूप से अपरिपक्व' बताते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया। यह पहली बार नहीं है जब आकाश आनंद को प्रमोट करने के बाद अचानक पीछे धकेला गया हो। पिछले कुछ वर्षों में यह सिलसिला लगातार देखने को मिला है, जिससे पार्टी कैडर और समर्थकों के बीच नेतृत्व को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए उसका उत्तराधिकारी उसकी भविष्य की दिशा तय करता है, लेकिन बीएसपी में उत्तराधिकार का यह खेल एक अस्थिर चक्रव्यूह बन गया है। आकाश आनंद ने अपनी रैलियों और बयानों के जरिए पार्टी में एक नया जोश फूंकने और युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया था, लेकिन उनके आक्रामक तेवरों को पार्टी के भीतर ही एक खतरे के रूप में देखा गया या फिर उसे अपरिपक्वता का नाम दे दिया गया। इस फैसले के बाद आकाश आनंद द्वारा अपने सोशल मीडिया बायो को 'बीएसपी कार्यकर्ता' से बदलकर 'बीएसपी समर्थक' करना इस बात की तस्दीक करता है कि शीर्ष नेतृत्व और नई पीढ़ी के बीच वैचारिक पटरी पूरी तरह बैठ नहीं पा रही है।

इस पूरे विवाद का एक दूसरा और अधिक चिंताजनक पहलू पारिवारिक गुटबाजी और महत्वाकांक्षाओं का टकराव है। मायावती ने सार्वजनिक रूप से आकाश आनंद के ससुर और पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ पर आरोप लगाया कि वे आकाश के साथ मिलकर ऐसी गतिविधियों में लिप्त थे जिससे पार्टी के मूवमेंट को नुकसान पहुंच रहा था। राजनीति में परिवारों का प्रभाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन बीएसपी जैसी कैडर-बेस्ड पार्टी में जब फैसले नीतिगत चर्चाओं के बजाय पारिवारिक वफादारियों और संदेहों के आधार पर होने लगें, तो वह पार्टी के पतन की गति को तेज कर देता है। मायावती द्वारा रखी गई यह शर्त कि यदि अशोक सिद्धार्थ राजनीति से पूरी तरह संन्यास ले लेते हैं, तभी आकाश आनंद की वापसी पर विचार किया जाएगा, यह दर्शाती है कि पार्टी के भीतर फैसले अब लोकतांत्रिक या सांगठनिक मानदंडों पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत शर्तों पर हो रहे हैं। इस आंतरिक खींचतान के बीच आकाश के छोटे भाई ईशान आनंद को अचानक बैठकों में प्रमुखता देना इस बात का प्रमाण है कि बीएसपी का नेतृत्व संकट गहराता जा रहा है और पार्टी एक व्यक्ति केंद्रित व्यवस्था से निकलकर पारिवारिक उलझनों में फंस गई है।

इस सांगठनिक उथल-पुथल का सबसे बड़ा नुकसान बीएसपी के उस जमीनी कैडर को हो रहा है जो पार्टी की असली ताकत रहा है।

योजना के ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान बना आजमगढ़ में स्वरोजगार से स्वावलंबन का नया अध्याय

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से जनपद आजमगढ़ में युवाओं के स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तीकरण का एक नया परिदृश्य आकार ले रहा है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ शुरू किया गया 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' (सीएम युवा) जनपद के शिक्षित एवं हुनरमंद युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। इस अभियान का मूल ध्येय युवाओं की असीम ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान कर ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना को गति देना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना है। जनपद आजमगढ़ में उद्यमशीलता को जमीनी स्तर पर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित इस योजना के माध्यम से युवाओं को नौकरी की तलाश करने के बजाय स्वयं 'रोजगार प्रदाता' बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिवर्ष एक लाख तथा आगामी एक दशक में दस लाख नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के निर्धारित लक्ष्य में आजमगढ़ अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह दूरदर्शी नीति न केवल जनपद की ग्रामीण प्रतिभाओं के महानगरों की ओर होने वाले आर्थिक पलायन को रोकने में मील का पत्थर साबित हो रही है, बल्कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने के व्यापक संकल्प में भी जनपदीय स्तर पर ठोस योगदान दे रही है। योजना की पात्रता और स्वरूप को अत्यंत सरल, पारदर्शी एवं सर्वसमावेशी रखा गया है, जिससे जनपद आजमगढ़ का सामान्य पृष्ठभूमि का युवा भी बिना किसी प्रशासनिक बाधा के अपने उद्यम का सपना साकार कर सके। इसके तहत उत्तर प्रदेश के 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे सभी स्थायी निवासी आवेदन के पात्र हैं, जिन्होंने न्यूनतम आठवीं कक्षा तक की औपचारिक शिक्षा पूर्ण कर ली हो। योजना के अंतर्गत जनपद के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), पॉलिटेक्निक संस्थानों तथा उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षित युवाओं को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि उनके तकनीकी हुनर को सीधे उत्पादक और लाभकारी इकाइयों में रूपांतरित किया जा सके। उद्यम की स्थापना में आरंभिक वित्तीय बाधाओं को दूर करने के लिए योजना में अत्यंत उदार वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। अभियान के अंतर्गत विनिर्माण उद्योग, सेवा क्षेत्र, व्यावसायिक फ्रेंचाइजी तथा 'बिजनेस ऑन व्हील्स' जैसी विभिन्न वाणिज्यिक गतिविधियों को शामिल किया गया है। योजना के प्रथम चरण में 5 लाख तक की परियोजनाओं के लिए चार वर्षों की अवधि हेतु शत-प्रतिशत ब्याज-मुक्त और पूर्णतः गारंटी-मुक्त संस्थागत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही परियोजना की कुल लागत पर दस प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान के रूप में वहन की जा रही है। सफल संचालन और समयबद्ध ऋण अदायगी के पश्चात उद्यमियों को अपने कारोबार के विस्तार के लिए द्वितीय चरण में 10 लाख तक के वित्तीय पोषण की सुविधा भी दी जा रही है।

जरा हटके

औरैया जनपद के...

केवल

स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन में प्रदेश के सेनानियों के ऐतिहासिक स्थलों की बनेगी सर्किट, आजादी की गाथा और पर्यटन का होगा नया आकर्षण

मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को पर्यटन से जोड़कर नई पहचान देने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों को स्वतंत्रता संग्राम सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में उन स्थानों का पर्यटन विकास कराया जा रहा है, जहां स्वतंत्रता आंदोलन की महत्वपूर्ण घटनाएं हुई और वीर सेनानियों ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी।

मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पर्यटन विभाग का उद्देश्य इन स्थलों को केवल स्मारकों तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसे पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित करना है, जहां आने वाले पर्यटक स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को करीब से जान सकें और महसूस कर सकें। इसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी, वे-फाइंडिंग, सौंदर्यीकरण, पर्यटक सुविधाओं और इतिहास की जानकारी देने वाले व्याख्या केंद्रों पर जोर दिया जा रहा है।

प्रदेश के वाराणसी पिण्डरा क्षेत्र के करखियांव गांव में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थल का पर्यटन विकास कराया जा रहा है। परियोजना के लिए 18.26 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 8 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। गांव, में शहीद हुए 26 लोगों की स्मृति में यहां एक म्यूरल पार्क भी बनाया जा रहा है, जिसमें उनकी वीरगाथाओं को म्यूरल के माध्यम से उकेरा जाएगा। रायबरेली सदर क्षेत्र तहसील ऊंचाहार के मुंशीगंज स्थित शहीद स्मारक स्थल का 4.51 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन विकास का कार्य कराया जा रहा है। परियोजना का करीब 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। यह स्थल क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम और शहीदों की स्मृति को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लखनऊ जनपद के उमरिया मजरे मुसपिपरी गांव में अमर शहीद राजा दिग्विजय सिंह स्मारक का पर्यटन विकास का कार्य कराया जा रहा है। परियोजना के लिए करीब 1 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें 55 लाख रुपये जारी हो चुके हैं। स्मारक के विकास से स्थानीय स्तर पर स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को नई पहचान मिलेगी।

औरैया जनपद के मुख्यालय स्थित ककोर तिरंगा पार्क, मैदान का जिला योजना के तहत पर्यटन विकास कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन और राष्ट्रध्वज से जुड़ी भावनाओं को नई पीढ़ी से जोड़ते हुए स्थल को आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना है। बलिया में सिताबदियारा लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली है। स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में उनके महत्वपूर्ण योगदान और राष्ट्र निर्माण की भूमिका को देखते हुए उनके गांव में पर्यटन विकास के माध्यम से उनकी विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित किया जा रहा है। इसी क्रम में सेवादास धाम मंदिर का भी पर्यटन के दृष्टिगत विकास कराया जा रहा है। शाहजहांपुर जनपद के पुवायां विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जसवंतपुर में शहीद करतम सिंह पार्क का 79 लाख रुपये की लागत से निर्माण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया है। इस पार्क को शहीद की स्मृति को संजोने के साथ-साथ स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण स्थल के रूप में विकसित किया गया है। हरदोई ग्राम सेमरिया स्थित शहीद स्थल का 41 लाख रुपये की लागत से पर्यटन के रूप में विकास कराया गया है। विकास कार्यों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन से जुड़ी स्थानीय स्मृतियों को संरक्षित करने का प्रयास किया गया है।

जनपद बलिया स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन के नायक मंगल पाण्डेय से जुड़े स्मारक स्थल का 1.55 करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण कराया गया है। इससे बलिया की स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत को पर्यटन से जोड़ने में मदद मिलेगी। बलिया जनपद के बांसडीह में वीर कुंवर सिंह के नाम पर शहीद स्मारक का निर्माण एवं पर्यटन विकास का कार्य 86 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। यह स्थल स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों की स्मृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

प्रदेश सरकार पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के माध्यम से प्रदेश के नायकों, महापुरूषों एवं आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि के रूप में उनकी स्मृति को सजोने का कार्य कर रही है। इसके अलावा युवा पीढ़ी तक उनके त्याग एवं बलिदान की गाथा को पहुंचाने के लिए उपयुक्त स्थलों पर उनके स्मारक बनवाये जा रहे हैं। साथ ही उनकी प्रतिमा स्थापित कराकर उनके योगदान को स्मरण किया जा रहा है। देश पर अपने प्राण को न्यौछावर करने वाले राष्ट्रनायक हमारी गौरवशाली विरासत का हिस्सा हैं। नई पीढ़ी को इनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में आजादी के शहीदों की एक लम्बी श्रृंखला है। प्रत्येक शहीद महापुरूषों ने अपने विभिन्न महान कार्यों से देश को आजाद कराने में योगदान दिया। यह हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। इनके त्याग और बलिदान के फलस्वरूप देश को आजादी मिली। आज हम खुली हवा में सांस लेते हुए उनके योगदान को स्मरण कर रहे हैं। इन वीरों को कठोर सजाएं एवं यातनाएं दी गयी, इसके बावजूद उन्होंने मातृभूमि के लिए संघर्ष जारी रखा। प्रदेश सरकार देश एवं प्रदेश के ऐसे वीरों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए उनके स्मारक आदि का निर्माण करा रही है। साथ ही उनसे जुड़े स्थलों का सौन्दर्यीकरण कराकर वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ी को उनके योगदान से परिचित करा रही है। पर्यटन विभाग इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित कर रहा है।

सेवादारों ने निकलवाईं, डेढ़ महीने में तीसरी बार घटना, कुंड में जबरदस्त काई जमी

बुद्धेश्वर के सीताकुंड में फिर हजारों मछलियां मरीं

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। पारा बुद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर के ऐतिहासिक सीताकुंड में गुरुवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में मछलियां मरी हुई मिलीं। स्थानीय लोगों के अनुसार, डेढ़ महीने के अंदर तालाब में बड़ी संख्या में मछलियों के मरने की यह तीसरी घटना है। लगातार हो रही इन घटनाओं के बावजूद तालाब की सफाई और पानी की जांच नहीं कराई जा रही है। सुबह तालाब की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां उतराती दिखीं। कुछ ही देर में मंदिर परिसर और आसपास के लोग वहां जमा हो गए। लोगों का आरोप है कि तालाब की साफ-सफाई को लेकर

मंदिर के प्रशासक एसडीएम सदर अभिषेक सिंह गंभीर नहीं है। तालाब में जोरदार काई जमी हुई है। मंदिर के पुजारी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। लोगों का कहना है कि सीताकुंड धार्मिक आस्था से जुड़ा एक अहम स्थल है। ऐसे में बार-बार मछलियों की मौत की घटनाओं को नजरअंदाज करना चिंता की बात है।

इस मामले में एसडीएम सदर अभिषेक सिंह का पक्ष जानने की कोशिश की गई, लेकिन 3 बार कॉल के बावजूद रिस्पॉन्स नहीं मिला। इसके बाद

- बुद्धेश्वर मंदिर के सेवादारों ने अपने से व्यवस्था कराकर मरी मछलियों को तालाब से बाहर निकलवाया।
- कुंड के बाहर गड्ढा खोदकर मरी हुई मछलियों को जमीन पर दबवा दिया गया।

मछलियों के मरने से बदबू फैल रही है

स्थानीय लोगों ने बताया कि मरी हुई मछलियों के तालाब में पड़े रहने से बदबू फैल रही है। इससे मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है। लोगों ने आशंका जताई कि अगर समय पर सफाई नहीं हुई, तो गंदगी और बदबू के कारण स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। मरी हुई मछलियों को तालाब से बाहर निकलवाने के लिए सेवादार और व्यापार मंडल के पदाधिकारी आगे आए। सेवादार अंश लाला, बउवा कश्यप और बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मंडल के मंत्री प्रियांशु गुप्ता समेत कई लोगों ने मरी मछलियों को तालाब से बाहर निकाला।

गड्ढा खोदकर मछलियों को जमीन में दबवा दिया गया। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि

तालाब के पानी की तुरंत जांच कराई जाए। साथ ही मछलियों की मौत के असली कारण का पता लगाया जाए। तालाब की नियमित सफाई और पानी की गुणवत्ता की निगरानी की व्यवस्था करने को भी कहा।

जिला पुस्तकालय सिर्फ इमारत नहीं, बाराबंकी के भविष्य को गढ़ने वाली प्रयोगशाला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा को जन-जन तक पहुंचाने की व्यापक तैयारी

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जनपद का राजकीय जिला पुस्तकालय अब केवल किताबों को रखने की जगह नहीं रह गया है, बल्कि यह हजारों युवाओं के सपनों को उड़ान देने और उनके भविष्य को दिशा देने का केंद्र बन चुका है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं से लेकर सामान्य पाठकों तक के लिए पुस्तकालय में पढ़ाई का बेहतर माहौल उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभागाध्यक्ष निर्मला श्रीवास्तव के अनुसार, जिला पुस्तकालय को आधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडल लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने का काम तेजी से चल रहा है। पुस्तकालय में पाठकों के लिए पुस्तकों का बड़ा संग्रह उपलब्ध है। विभागाध्यक्ष निर्मला श्रीवास्तव ने बताया कि पुस्तकालय में करीब 24,100 मुद्रित पुस्तकें हैं। इसके

- 24 हजार से अधिक मुद्रित पुस्तकें और 16 हजार से ज्यादा ई-ग्रंथ उपलब्ध, हर महीने करीब पांच हजार पाठक उठा रहे लाभ।

अलावा 16,173 पुस्तकें ई-ग्रंथालय के माध्यम से उपलब्ध हैं। पाठकों के लिए नौ दैनिक समाचार पत्र और करीब 25 पत्रिकाएं भी मंगाई जाती हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय में लगभग 2,800 पंजीकृत सदस्य हैं। वहीं हर महीने करीब 5,000 पाठक पुस्तकालय की सेवाओं का लाभ उठाते हैं। बड़ी संख्या में छात्र और

वर्ष 1989 में हुई थी राजकीय जिला पुस्तकालय की स्थापना

राजकीय जिला पुस्तकालय की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी। यह पुस्तकालय राजकीय महिला चिकित्सालय के सामने स्थित है।

स्थापना के बाद से पुस्तकालय ने जिले में पढ़ने-पढ़ाने और ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में पुस्तकालय की विभागाध्यक्ष निर्मला श्रीवास्तव हैं, जिनके नेतृत्व में पुस्तकालय की व्यवस्थाओं और सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा यहां पहुंचते हैं। जिला पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। यहां इंटरनेट और कंप्यूटर की सुविधा उपलब्ध है।

फास्ट न्यूज

निर्माणाधीन भवन में करंट लगने से मजदूर की मौत

रायबरेली। रायबरेली में लालगंज कोतवाली क्षेत्र के नवरंग सिंह का पुरवा गांव में निर्माणाधीन भवन में काम करते समय करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। मजदूर सरिया लेकर काम कर रहा था, तभी सरिया बिजली के तार से छू गया और वह करंट की चपेट में आ गया। मृतक की पहचान अर्जुन पासवान के रूप में हुई है। वह गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला था। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फतेहपुर में पुलिस के रवैये से नाराज किसानों का प्रदर्शन

फतेहपुर। फतेहपुर जिले में भारतीय किसान यूनियन अराज-नैतिक के किसानों ने शाह कस्बे में पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। किसान शाह चौकी प्रभारी के रवैये से नाराज थे। उन्होंने पुलिस पर भूमि विवाद, मारपीट और कब्जे से जुड़े मामलों में लापरवाही बरतने और एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया। संगठन के महामंत्री प्रीतम सिंह ने आरोप लगाया कि कई मामलों में शिकायत के बावजूद पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की। किसानों ने दीपक गुप्ता के खेत की मेड़ तोड़कर कब्जा करने के मामले में कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई।

कॉलेज से लौट रही छात्रा से छेड़छाड़ किया

मैनपुरी। मैनपुरी में 17 साल की छात्रा से दिनदहाड़े छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल से घर लौटते समय युवक ने छात्रा को रास्ते में रोक लिया। विरोध करने पर उसके होंठ काट दिए। इसके बाद आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। छात्रा के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। वे आरोपी के घर पहुंचे, जहां छात्रा मिल गई। परिजनों को देखते ही आरोपी मौके से फरार हो गया।

परिवहन ठेकेदार पर एफआईआर, फर्म होगी ब्लैक लिस्ट

लापरवाह अधिकारियों की भी तय होगी जवाबदेही-खाद्य एवं रसद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। जनपद सीतापुर में सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था के अंतर्गत परिवहन ठेकेदार द्वारा मिड-डे मील का राशन संबंधित उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) तक न पहुंचाए जाने के गंभीर प्रकरण का संज्ञान लेते हुए प्रदेश के खाद्य एवं रसद मंत्री श्री मनोज कुमार पाण्डेय ने कड़ा रुख अपनाया है।

मंत्री श्री पाण्डेय ने जिलाधिकारी, सीतापुर को संबंधित परिवहन ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर पंजीकृत कराने तथा संबंधित फर्म को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पूरे प्रकरण में पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण के स्तर पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित कर उनके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

श्री पाण्डेय ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप भ्रष्टाचार, लापरवाही अथवा शासकीय खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा, "जनता और बच्चों के हक के राशन में गड़बड़ी अत्यंत गंभीर विषय है। खाद्यान्न निर्धारित स्थान तक समय से पहुंचाना संबंधित एजेंसी और अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इसमें लापरवाही करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जिम्मेदारी तय होगी और दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।" मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने तथा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियमित अनुश्रवण के भी निर्देश दिए हैं।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा को जन-जन तक पहुंचाने की व्यापक तैयारी

- प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की सेवा और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को जनसंकल्प बनाएगा अभियान: मुख्यमंत्री योगी
- प्रभारी मंत्री जनपदों और विधानसभाओं में जाकर तैयारियों की करें समीक्षा:मुख्यमंत्री
- 4.19 करोड़ परिवारों और 15.74 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंचेगा अभियान, 25 लाख लाभार्थियों की वास्तविक कहानियां रील के माध्यम से आएंगी सामने

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल पूरा होने के अवसर को प्रदेश सरकार और प्रदेश संगठन मिलकर समारोहपूर्वक मनाएंगे। उत्तर प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलेगा। अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों, नीतिगत सुधारों और देश-प्रदेश में आए बदलावों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ा जाएगा। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल जी की उपस्थिति में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियान व्यापक जनभागी-दारी से हो और सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण तथा विकास की उपलब्धियों को वास्तविक लाभार्थियों की कहानियों के माध्यम से सामने लाया जाए। युवा, महिला, किसान और वंचित वर्ग सहित समाज के प्रत्येक वर्ग को विकसित भारत के संकल्प का सहभागी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी प्रभारी मंत्रियों को जनपदों और अपनी-अपनी विधानसभाओं में जाकर तैयारियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि शासन, मुख्यमंत्री कार्यालय और जनपद स्तर पर त्रिस्तरीय समन्वय व्यवस्था बनाई गई है। केंद्र सरकार के 12 वर्षों और राज्य सरकार के 10 वर्षों के विकास कार्यों का डेटा-बैंक तैयार किया गया है।

वर्ल्ड इंक्लूज़न कॉन्फ्रेंस की सीख को विभागीय कार्यों में उतारने पर हुआ मंथन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। नई दिल्ली में हुए वर्ल्ड इंक्लूज़न कॉन्फ्रेंस-2026 से मिली सीख अब समाज कल्याण विभाग के कामकाज में नई सोच और नए प्रयासों का आधार बनेगी। इसी उद्देश्य से बुधवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में बैठक आयोजित की गई।

"एक विश्व, सबका सम्मान" थीम पर हुई इस बैठक में समाज कल्याण राज्यमंत्री श्री असीम अरुण, दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक श्री आशीष, प्रमुख सचिव समाज कल्याण श्री अनुराग यादव और निदेशक श्री संजीव सिंह समेत सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाग करने वाले नव नियुक्त जिला समाज कल्याण अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अपने अनुभव और सीख साझा की।

बैठक में इस बात पर भी मंथन किया गया कि समाज कल्याण के क्षेत्र में उभरती नई जरूरतों की पहचान कर उनके अनुरूप नई

नीतियों और प्रभावी कार्यक्रमों की दिशा में किस तरह आगे बढ़ा जा सकता है। अधिकारियों ने अपने अनुभवों के आधार पर नवाचार और समाधान आधारित दृष्टिकोण अपनाने की संभावनाएं साझा कीं।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि कॉन्फ्रेंस में प्राप्त अनुभवों को केवल व्यक्तिगत सीख तक सीमित न रखते हुए नई सोच के साथ विभागीय कार्यों में ठोस बदलाव और बेहतर नीतियों के निर्माण के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से समाज कल्याण के क्षेत्र में नई आवश्यकताओं की पहचान कर नवाचार और समाधान आधारित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया।

फार्मा क्षेत्र में नवाचार और शोध को मिलेगा नया मंच, एमआईटी में राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

11-12 सितंबर को होगा आयोजन, देशभर से शिक्षाविद, शोधकर्ता और उद्योग विशेषज्ञ करेंगे सहभागिता

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। फार्मास्युटिकल क्षेत्र में नवाचार, शोध और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में 11 और 12 सितंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। "Innovation, Research and Entrepreneurship in Pharma for a Viksit Bharat" विषय पर होने वाले सम्मेलन का आयोजन एमआईटी के फार्मेसी विभाग एवं आईक्यूएसी द्वारा किया जा रहा है।

सम्मेलन में फार्मास्युटिकल इनोवेशन, ड्रग डिस्कवरी, एडवांस्ड ड्रग डिलीवरी, बायोटे-क्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप, क्वालिटी एश्योरेंस, आईपीआर, सस्टेनेबल हेल्थकेयर और विकसित भारत-2047 जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर

विशेषज्ञ मंथन करेंगे। कार्यक्रम में तकनीकी सत्र, विशेषज्ञ व्याख्यान और पोस्टर प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण रहेंगी।

सम्मेलन में देशभर के शिक्षाविद, शोधकर्ता, फार्मा उद्योग विशेषज्ञ, उद्यमी और फार्मेसी के विद्यार्थी शामिल होंगे।

चयनित शोध एवं समीक्षा सारांशों को समीक्षा के बाद सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एकेटीयू के कुलपति प्रो. जे.पी. पांडेय और एमआईटी चेयरमैन विष्णु सरन, संरक्षक वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष निदेशक प्रो. (डॉ.) कुंवर लाइक अहमद खान तथा संयोजक फार्मेसी विभाग के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नीरज कांत शर्मा हैं।

आयोजन सचिव डॉ. अमरेंद्र प्रताप यादव हैं।

सम्मेलन का उद्देश्य फार्मा क्षेत्र में शोध को नवाचार से जोड़ने, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने और उद्योग-अकादमिक सहयोग मजबूत करने के साथ विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देना है।

हनुमंत नगर में 10 लाख की लागत से बनेगी सड़क व पक्की नाली, पार्षद ने किया शिलान्यास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड-18 के हनुमंत नगर (बदाली खेड़ा) में लंबे समय से जर्जर और कच्ची पड़ी सड़क की समस्या से अब स्थानीय लोगों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। गुरुवार को पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट ने महापौर सुषमा खर्कवाल की निधि से प्रस्तावित इंटरलॉकिंग सड़क और दोनों ओर पक्की नाली के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया।

पार्षद प्रतिनिधि संतोष त्रिपाठी ने बताया कि करीब 10 लाख रुपये की लागत से अशोक पवार के घर के सामने से रामतीर्थ के घर होते हुए हरिद्वार सिंह के घर तक लगभग 100 मीटर लंबी और पांच मीटर चौड़ी इंटरलॉकिंग सड़क बनाई जाएगी। इसके साथ ही सड़क के दोनों ओर पक्की नालियों का भी निर्माण कराया

जाएगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में पूजा-अर्चना के बाद आलोक, हरिद्वार सिंह और सतीश वर्मा ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। इस दौरान राजेश गुप्ता, आशीष सिंह, कुलदीप शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद रहे। स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क लंबे समय से कच्ची होने के कारण यहां जल निकासी की व्यवस्था नहीं थी। घरों का गंदा पानी सड़क पर ही जमा रहता था, जिससे जगह-जगह कीचड़ और गड्ढे बन जाते थे। बारिश के अलावा सामान्य दिनों में भी लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता था। इस मार्ग पर करीब 30 से 35 मकान होने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

निर्माण कार्य शुरू होने पर स्थानीय लोगों ने खुशी जताते हुए पार्षद रामनरेश रावत का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और लड्डू खिलाकर आभार जताया। लोगों ने उम्मीद जताई कि सड़क और नाली बनने के बाद जलभराव, गंदगी और आवागमन की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी। संतोष त्रिपाठी ने वार्ड की जनता की ओर से सांसद एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, नगर आयुक्त गौरव कुमार और पार्षद रामनरेश रावत के प्रति विकास कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विजय शर्मा, सज्जन लाल, पुष्पेंद्र मिश्रा, करुणा शंकर, अशोक पवार, राजू सिंह, प्रिंस, फूलचंद, आलोक, रितेश, सुनीता शर्मा, राधा देवी, सुशील शर्मा समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं भाजपा

इनकार : कहा- तबीयत खराब है, यात्रियों का हंगामा, इंडिगो की फ्लाइट मुंबई जानी थी

वाराणसी में पायलट ने फ्लाइट उड़ाने से मना किया

तमसा संकेत, संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर बुधवार को मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट के पायलट ने अचानक विमान उड़ाने से इनकार कर दिया। पायलट ने अपनी तबीयत खराब होने की बात कही और विमान उड़ाने में असमर्थता जताई। पायलट के अचानक इनकार के बाद एयर-लाइंस प्रबंधन में हड़कंप मच गया। वहीं, बोर्डिंग शुरू होने से ठीक पहले यात्रियों को इसकी जानकारी दी गई, जिसके बाद यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E-6544 को बुधवार सुबह 10:45 बजे वाराणसी एयरपोर्ट से मुंबई के लिए उड़ान भरनी थी। निर्धारित समय पर उड़ान नहीं होने से यात्री परेशान हो गए। यात्रियों का आरोप था कि एयरलाइंस की ओर से उन्हें समय पर और स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। यात्रियों के मुताबिक, बोर्डिंग शुरू होने से ठीक पहले उन्हें बताया गया कि पायलट की तबीयत खराब है।

एक यात्री ने कहा- रिफ्रेशमेंट के नाम पर अभी तक कोई अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। पैसेंजर सुबह 8 बजे से आकर बैठे हुए हैं। मेरा सीधा आरोप इंडिगो पर है कि यात्रियों को इस तरह परेशान किया जा रहा है। अगर कोई पैसेंजर 15 मिनट लेट हो जाए तो उसे एयरपोर्ट के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया जाता। ऐसे में एयरलाइन को भी यात्रियों के साथ अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

यात्रियों ने एयरलाइंस पर जानकारी छिपाने का लगाया आरोप

फ्लाइट में देरी के बाद यात्रियों ने एयरलाइंस पर जानबूझकर सही जानकारी नहीं देने का आरोप लगाया। यात्रियों का कहना था कि उन्हें लंबे समय तक उड़ान को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। एयरलाइंस की ओर से केवल इतना बताया गया कि दूसरे पायलट या क्रू की व्यवस्था की जा रही है। यात्रियों के हंगामे के बीच एयर-लाइंस अधिकारी स्थिति संभालने में जुटे रहे। विमान को उड़ाने के लिए वैकल्पिक क्रू की व्यवस्था की गई, जिसके बाद कई घंटे की देरी से फ्लाइट मुंबई के लिए रवाना हो सकी।

2:21 बजे विमान ने भरी उड़ान

सुबह 10 :45 बजे प्रस्तावित उड़ान आखिरकार दोपहर 2 :21 बजे वाराणसी एयरपोर्ट से मुंबई के लिए रवाना हुई। यानी निर्धारित समय से करीब साढ़े तीन घंटे से अधिक की देरी हुई। इस दौरान यात्रियों को एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा।

वहीं, सूत्रों ने पायलट के विमान नहीं उड़ाने की वजह को लेकर अलग दावा किया है। सूत्रों के मुताबिक पायलट की तबीयत खराब नहीं हुई थी, बल्कि उसकी ड्यूटी का निर्धारित समय पूरा हो चुका था।

गणेश चतुर्थी पर मेरठ परिक्षेत्र में 2500 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

164 स्थानों पर स्थापित होंगी गणेश प्रतिमाएं, 197 शोभायात्राओं और 34 विसर्जन घाटों पर रहेगा विशेष पहरा

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। गणेश चतुर्थी और अनंत चतुर्दशी के मद्देनजर मेरठ परिक्षेत्र में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था का खाका तैयार कर लिया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए परिक्षेत्र में करीब 2500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। मेरठ, बुलंद-शहर, बागपत और हापुड़ में 164 प्रतिमाएं स्थापित, 197 शोभायात्राएं और 34 विसर्जन घाट प्रस्तावित हैं। डीआईजी मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी के निर्देश पर सात अपर पुलिस अधीक्षक, 25 क्षेत्राधिकारी, 71 निरीक्षक, 460 उपनिरीक्षक, 645 मुख्य आरक्षी, 880 आरक्षी, 375 होमगार्ड/पीआरडी जवान तथा एक कंपनी पीएसी की ड्यूटी लगाई गई है। मेरठ में 80 स्थानों

पर 49, बुलंदशहर में 18 स्थानों पर 44, बागपत में 58 स्थानों पर 58 और हापुड़ में 12 स्थानों पर 13 प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। वहीं मेरठ में 63, बुलंदशहर में 51, बागपत में 68 और हापुड़ में 15 शोभायात्राएं प्रस्तावित हैं। पुलिस ने परिक्षेत्र में 117 हॉटस्पॉट चिह्नित किए हैं। इनके लिए 24 जोन, 81 सेक्टर और 52 क्यूआरटी गठित की गई हैं। संवेदनशील मार्गों और आयोजन स्थलों पर सीसीटीवी व ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी। विसर्जन घाटों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, गोताखोर, लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध रहेंगे। यातायात सुचारु रखने के लिए आवश्यकतानुसार डायवर्जन लागू किया जाएगा।

पुलिस अधिकारियों को आयोजकों के साथ लगातार समन्वय रखने, परंपरागत मार्गों का पालन कराने और अफवाहों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सोशल मीडिया पर 24 घंटे निगरानी रखते हुए भ्रामक सूचना और पुराने वीडियो के जरिए अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धार्मिक आस्था और परंपराओं का सम्मान करते हुए त्योहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराया जाए।

2 टुकड़ों में मिला एयरफोर्स जवान का शव

रेलवे ट्रैक पर धड़ और गर्दन अलग पड़ी थी, हावड़ा एक्सप्रेस से प्रयागराज जा रहे थे

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में रेलवे ट्रैक पर 35 साल के एयरफोर्स जवान का शव दो टुकड़ों में मिला। धड़ से गर्दन अलग थी। वारदात का पता उस वक्त चला, जब यात्रियों ने शव को ट्रैक पर देखकर स्टेशन मास्टर को सूचना दी। गुरुवार सुबह 8 बजे पुलिस पहुंची तो जवान के मोबाइल पर लगातार पत्नी के फोन आ रहे थे। पुलिस ने फोन उठाकर पत्नी से कहा- आपके पति को चोट लगी है, आप एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंचिए। इसके बाद पत्नी आगरा स्टेशन पर बच्चों के साथ उतरकर अस्पताल पहुंची। यहां उन्हें पति की मौत के बारे में पता चला। पूरा मामला जिला मुख्यालय से 26

नैनाराम, मृतक

किलोमीटर दूर अछनेरा रेलवे स्टेशन के पास का है। जवान नैनाराम पत्नी शोभा और दो बच्चों के साथ हावड़ा एक्सप्रेस से प्रयागराज जा रहे थे। वह राजस्थान के नागौर जिले के खींवसर के रहने वाले थे। GRP का कहना है कि शव प्लेटफॉर्म की दिशा में नहीं, बल्कि दूसरी ओर ट्रैक पर मिला। शुरुआती जांच में सुसाइड की आशंका लग रही है। हालांकि, मौत की असली वजह जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगी। पुलिस उनकी पत्नी और बेटे से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है। जवान के परिवार के लोग पोस्टमार्टम के लिए पहुंच रहे हैं। इसी दौरान जवान की पत्नी का फोन आ गया। पत्नी ने पुलिस से कहा कि उसकी पति से बात कराई जाए। पुलिस ने कहा कि उसके पति को चोट लगी है। हम लोग उसे अस्पताल लेकर जा रहे हैं। आप भी वहीं पहुंचिए। तब तक ट्रेन आगरा पहुंच चुकी थी। आगरा रेलवे स्टेशन पर जवान की पत्नी उतरी और अस्पताल पहुंची। तब उसे जवान की मौत के बारे में पता चला। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में यात्रियों और परिजनों से पूछताछ की जाएगी और उनके बयान लिखित में लिए जाएंगे। अभी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस जब पहुंची तो जवान के मोबाइल पर कॉल आ रही थी

जीआरपी इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि स्टेशन मास्टर का मेमो आया था। इसमें बताया गया कि रेलवे स्टेशन पर किसी व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई है। इसके बाद GRP मौके पर पहुंची। जब पुलिस वहां पहुंची तो जवान के मोबाइल फोन पर कॉल आ रही थी। जब तक पुलिस फोन को जवान की पैंट की जेब से निकालती, तब तक कॉल कट गई। जवान का मोबाइल लॉक था। उसे खोलने के लिए पुलिस ने जवान के हाथ के अंगूठे का फिंगरप्रिंट लेकर मोबाइल फोन का लॉक खोला। फोन में उसके चाचा की कॉल पड़ी थी। पुलिस ने चाचा से बात की तो उन्होंने बताया कि जवान कहां है, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है।

यात्रियों से पूछताछ में सामने आया ट्रेन में विवाद

CO राजेश दीक्षित ने बताया कि ट्रेन में मौजूद यात्रियों से बातचीत की गई है। यात्रियों के अनुसार, जवान और उसकी पत्नी के बीच ट्रेन में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। अछनेरा में ट्रेन रुकी तो वह नीचे उतर गया। कुछ देर बाद ट्रेन चलने लगी। तभी जवान पटरी के बीच में लेट गया। उसकी कटकर मौत हो गई। ट्रेन जब दो रेलवे स्टेशनों को पार कर ईदगाह रेलवे स्टेशन पहुंची तो कोच में पति को न देखकर पत्नी घबरा गई। उसने जवान के मोबाइल पर कॉल करनी शुरू कर दी। जब पुलिस पहुंची तो कॉल रिसीव कर जवान की पत्नी को जानकारी दी।

■ एयरफोर्स जवान की मौत की सूचना पर रेलवे स्टेशन पर उनके साथी भी पहुंच गए।

रेलवे ट्रैक पर दो मजदूर तेजस की चपेट में आए

बरहन स्टेशन के पास हुआ हादसा, पेंट करने का कर रहे थे काम

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में ट्रेन से कटकर दो मजदूरों की मौत हो गई। दोनों थाना बरहन क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर पेंट करने का काम कर रहे थे। सूचना पर पुलिस और गांव वाले पहुंचे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कानपुर-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर बरहन स्टेशन के पास गुरुवार को दो मजदूर रेलवे ट्रैक पर काम कर रहे थे। लोगों ने बताया कि कानपुर की ओर से आ रही तेजस एक्सप्रेस ने दोनों को चपेट में ले लिया। दो मजदूरों के चपेट में आने की सूचना पर रेलवे अधिकारी और पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। दोनों की मौके पर मौत हो चुकी थी। मजदूरों की शिनाख्त खरकना, बरहन निवासी योगेंद्र पुत्र डोरीलाल और रामबाबू पुत्र हिंदीलाल के रूप में हुई है। बताया गया है कि दोनों

निजी ठेकेदार के अधीन रेलवे ट्रैक पर काम कर रहे थे। सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। ट्रैक पर काम करते समय हादसा किन परिस्थितियों में हुआ इसकी जांच की जा रही है।

फास्ट न्यूज

अलीगढ़ सांसद सतीश गौतम के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट

अलीगढ़। अलीगढ़ से भाजपा सांसद सतीश गौतम के नाम और पहचान का इस्तेमाल कर फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट चलाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इस अकाउंट से महिलाओं को फॉलो करने के साथ उनके वीडियो भी शेयर किए जा रहे थे। महामंत्री मुकेश लोधी ने कायत के बाद एसएसपी के निर्देश पर क्वार्सी थाने की पुलिस ने बुधवार रात IT एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया।

हाईवे पर दौड़ते ट्रक में लगी आग

मुरादाबाद। लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर गुरुवार दोपहर एक मिनी ट्रक में अचानक आग लग गई। हादसा पाकबड़ा थाना क्षेत्र में मार्टको एक्सपोर्ट के सामने हुआ। हाईवे पर चलते मिनी ट्रक से आग की लपटें उठती देख आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई। मिनी ट्रक में आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया।

वृंदावन में युवक को थप्पड़ मारे, प्लास से कान खींचा

मथुरा। वृंदावन में जेब काटने के शक में भीड़ ने एक युवक को पकड़कर पीट दिया। इस दौरान युवक को कई थप्पड़ मारे गए और प्लास से उसका कान खींचा गया। युवक हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाता रहा और कहता रहा-छोड़ दो, मैंने गलती नहीं की है। इसके बावजूद लोग उसे पीटते रहे। इस दौरान बैरिकेडिंग के पास एक पुलिसकर्मी भी दिखाई दिया।

मुरादाबाद में 3 मंजिला मकान भरभराकर गिरा

नींव कमजोर होने की वजह से हुआ हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में गुरुवार को तीन मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान में कासिम की पत्नी गुलाबो उर्फ ओलेबा खातून (42) अकेली थी। वह मलबे में दब गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर उसे बाहर निकाल लिया। इसके बाद एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कासिम मिस्त्री का काम करता है। हादसे के समय वह काम पर गया हुआ था। बताया जा रहा है कि मकान में परिवार के अन्य लोग भी रहते हैं, लेकिन घटना के वक्त वे घर पर नहीं थे। मामला भोजपुर थाना क्षेत्र के अका भीखनपुर गांव का है। ग्रामीणों के मुताबिक, जिस इलाके में मकान

ओलेबा खातून, मृ

गिरा है, वह डूब क्षेत्र में आता है। तीन मंजिला मकान के आसपास तीन तरफ पानी भरा हुआ था। लगातार बरसात के कारण करीब एक महीने से बाहरी इलाकों के मकानों में जलभराव है। उन्हीं ने से एक ये भी मकान है। जलभराव की चपेट में आए मकानों की बुनियादें कमजोर हो गई है। इसी वजह से मकान के अचानक गिरने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मकान गिरने की सही वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

सपा का 'हल्ला बोल'-भाजपा समर्थक को घेरा

मोदी-योगी विरोधी नारे सुन रुका समर्थक, धक्का-मुक्की

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में समाजवादी पार्टी ने जनसमस्याओं को लेकर नगर निगम के खिलाफ हल्ला-बोला। कार्यालय के बाहर एमजी रोड पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए मोदी-योगी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस पर एक भाजपाई समर्थक वहीं रुक गया। सपाइयों के प्रदर्शन के सामने ही उसने मोदी-योगी जिंदाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिए। इस पर कुछ सपाइयों ने भाजपा समर्थक के साथ धक्का-मुक्की कर दी। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद पुलिस-कर्मियों ने भाजपा समर्थक को वहां से हटाया। वहीं, सपा ने ढोलक-मंजीरे के साथ प्रदर्शन करते हुए शहर में गदंगी, जलभराव, नाला सफाई को लेकर आवाज बुलंद की। नगर आयुक्त के नाम अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार को ज्ञापन सौंपा। जनसमस्याओं को लेकर सपाई मोदी-योगी के खिलाफ नारेबाजी कर ही रहे

थे कि एक्टिवा सवार एक युवक मौके पर रुक गया। वह मोदी-योगी जिंदाबाद और अखिलेश यादव चोर है कि नारे लगाने लगा। इसी बीच एक और युवक रुक गया, उसने भी मोदी-योगी जिंदाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिए। ये देखकर कुछ देर के लिए सपाई रुक गए। उन्होंने नारेबाजी बंद कर दी। मगर, इसी बीच में कुछ युवा सपा कार्यकर्ता फिर से मोदी-योगी मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए बाहर निकल आए और भाजपा समर्थक युवक को घेर लिया। सपा कार्यकर्ताओं और भाजपा समर्थक के बीच झड़प हो गई। सपाइयों ने उसके साथ धक्का-मुक्की भी कर दी। स्थिति बिगड़ती देख मौके मौजूद पुलिसकर्मियों ने भाजपा समर्थक को वहां से भगाया। उन्होंने कहा, जनता इस पैसे का हिसाब और जनसमस्याओं का समाधान चाहती है। सपा महानगर अध्यक्ष ने कहा, अगर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो सपाई सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन के दौरान राहुल चतुर्वेदी, राहुल चौधरी, देवेन्द्र यादव, पुष्पेंद्र शर्मा, नरेंद्र सिंह नंद, बलविंदर जाटव, मनोज गुप्ता, आकिल अब्बास, अजीज ख़ान, जमील ख़ान, ओम पंडित, हर्ष धाकड़ आदि मौजूद रहे।

प्रदर्शन के बीच में पहुंचा भाजपा समर्थक

शहर की जनसमस्याओं के खिलाफ पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सपा ने गुरुवार को नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके लिए सपाई सुबह 10 बजे से ही संजय प्लेस में जुटने लगे थे। हाथों में 'हल्ला बोल' के बैनर और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लगभग 11.15 बजे नगर निगम की ओर बढ़े। एमजी रोड पर होते हुए वे नगर निगम के बाहर पहुंचे। यहां ढोलक और मंजीर के साथ उन्होंने नगर निगम और पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ नारेबाजी।

प्रदर्शन के दौरान सपा महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास ने कहा, सफाई स्मार्ट सिटी योजना के तहत अब तक 1100 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं लेकिन शहर में गह-जगह कूड़े के ढेर, जलभराव, टूटी सड़कें, सीवर ओवरफ्लो, पेयजल संकट और गंदगी का फैली हुई है। इतनी मोटी रकम का बंदर-बांट कर लिया गया है।

मथुरा में चित्रगुप्त पीठ के महंत को पाकिस्तान से धमकी

कॉल करके कहा-पीछे हट जाओ, नहीं तो समाधि बना देंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के समीप बनी मस्जिद पर 6 दिसंबर को कार सेवा का ऐलान करने वाले संत सच्चिदानंद महाराज को जान से मारने की धमकी मिली है।

चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर संत के वॉट्सऐप पर पाकिस्तान के नंबर से कॉल की गई। कॉल करने वाले ने कार सेवा के ऐलान से पीछे हटने की चेतावनी देते हुए कहा- नहीं तो आपकी समाधि बना देंगे।

संत के मुताबिक, पहले +92 से शुरू होने वाले नंबर से मिस कॉल आई।

करीब 10 मिनट बाद इसी नंबर से दो बार कॉल की गई। इसके

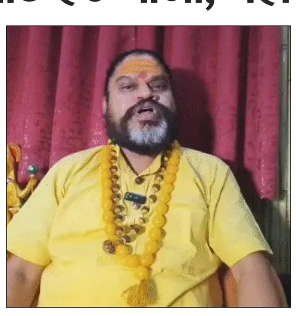

■ संत सच्चिदानंद महाराज ने कहा-मैं इन धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। 6 दिसंबर को कार सेवा होगी।

अलावा धमकी भरे ऑडियो भी भेजे गए। संत ने कहा कि वह धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और मामले की जानकारी पुलिस को देकर कानूनी कार्रवाई कराएंगे।

करीब 47 सेकंड के एक ऑडियो में संत सच्चिदानंद महाराज को कार सेवा और रैली से पीछे हटने के लिए कहा गया। ऑडियो में धमकी देने वाला कहता है- अगर पीछे नहीं हटे तो आपके साथ आने वाले साधु-संत भी सुरक्षित नहीं रहेंगे।

बात नहीं मानने पर तेरी 'समाधि वहीं बना दी जाएगी। मैं जिनको टारगेट करता हूं, उसकी पूरी डिटेल्स निकालकर मारता हूं। इसके बाद करीब 22 सेकंड का एक और ऑडियो भेजा गया।

इसमें भी संत सच्चिदानंद महाराज को ढूंढकर मारने और कार सेवा के कार्यक्रम से दूर रहने की धमकी दी गई।

बिना पैसे लिए नहीं करते काम, पुलिस कमिश्नर से शिकायत की

4 थानों में पुलिसवाले कर रहे वसूली : चौधरी बाबूलाल

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। फतेहपुर सीकरी विधानसभा क्षेत्र में पुलिसकर्मियों पर वसूली और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल ने क्षेत्र के चार थानों से जुड़े छह पुलिस-कर्मियों के खिलाफ पुलिस आयुक्त को शिकायत दी है। विधायक ने शिकायत के साथ आरोपों से जुड़े साक्ष्य भी अधिकारियों को सौंपे हैं और मामले की जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

विधायक की शिकायत में किरावली थाने के एसएसआई मनोज दीक्षित और हेड मोहर्रिर

संदीप कुमार का नाम शामिल है। इसके अलावा रुनकता चौकी प्रभारी आशीष त्यागी, एसआई तरुण चौधरी, मिढ़ाकुर चौकी के अमित कुमार और अछनेरा थाने के कारखास मुकेश यादव पर भी आरोप लगाए गए हैं।

विधायक का कहना है कि इन पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्र के लोगों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने पुलिस आयुक्त से शिकायतों की गंभीरता से जांच कराने की मांग की है। विधायक ने कहा कि पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली को लेकर जनता में नाराजगी है।

डीसीपी बोले- शिकायत की जांच कराई जा रही

डीसीपी पश्चिमी आदित्य ने बताया कि विधायक की शिकायत प्राप्त हुई है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कराई जा रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि विधायक की ओर से लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। संबंधित पुलिसकर्मियों का पक्ष सामने आना भी बाकी है।

विधायक बोले- बिना पैसे दिए नहीं होता काम

चौधरी बाबूलाल ने आरोप लगाया कि संबंधित पुलिसकर्मियों के स्तर से बिना पैसे लिए काम नहीं किया जाता। उनका कहना है कि पुलिस की ओर से मनमाने तरीके से कार्रवाई किए जाने के कारण आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

पृष्ठ 01 का शेष...

7 साल बाद भारत ...

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को BRICS समिट आयोजित होगा। इसमें चीन और रूस समेत 11 सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। इस बार नई दिल्ली में होने वाले BRICS समिट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग के बीच अलग से द्विपक्षीय बैठक होने की उम्मीद है। भारत और चीन के अधिकारी पिछले कई महीनों से दोनों देशों के रिश्तों को स्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल 24 अगस्त को चीन गए थे। भारत और चीन के बीच सिर्फ सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि व्यापार और आर्थिक रिश्ते भी बातचीत का हिस्सा हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। इसके अलावा रेयर अर्थ मैगनेट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। इस साल BRICS की कमान भारत के पास है। BRICS दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, ईरान, इथियोपिया, UAE और इंडोनेशिया भी शामिल हैं। भारत की अध्यक्षता में पूरे साल अलग-अलग शहरों में बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कई स्तर की चर्चाएं हो रही हैं। भारत का फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक, आतंकवाद से निपटने और सप्लाई चेन मजबूत करने पर है। यानी BRICS को सिर्फ राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश और विकास के बड़े मंच के तौर पर आगे बढ़ाने की कोशिश है।

14 साल की बच्ची ...

वकील ने बताया कि ऐसे वीडियो हैं, जिनमें चार पुलिसकर्मी उन उपद्रवियों के साथ दिख रहे हैं जिन्होंने प्रदर्शनकारियों पर हमला किया था और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने एसजी से कहा- हम चाहते हैं कि उस एफआईआर पर तुरंत एक्शन लिया जाए और यूपी पुलिस पीड़ित और परिवार को पुलिस प्रोटेक्शन दे। जांच पार्लियामेंट स्ट्रीट पीएस करे। इसके बाद 24 जुलाई को सोशल मीडिया पर वायरल पॉडकास्ट क्लिप में स्वतंत्र भारद्वाज ने यह दावा किया था कि उसने ही बच्ची के पिता संजय कुमार का सिर फोड़ा था। 60 टांके लगाने पड़े थे। स्वतंत्र ने यह भी कहा कि उन्हें जेल नहीं जाना पड़ा। बाद में उसने अपने बयान से पलटते हुए कहा कि यह हमला नहीं, बल्कि सेल्फ-डिफेंस था। 10-15 लोगों ने उन्हें घेर लिया था और अगर वह बचाव में कार्रवाई नहीं करते तो उन्हें भीड़ मार सकती थी।

अमेरिकी रिपोर्ट में...

इन 190 परमाणु हथियारों में से 160 से ज्यादा मौजूदा मिसाइलों के लिए हैं, बाकी नई मिसाइलों के लिए तैयार रखे गए हैं। FAS का अनुमान है कि आने वाले समय में भारत के परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ सकती है। FAS की रिपोर्ट में अग्नि-V बेहतर बनाने का भी जिक्र है। कहा गया है कि इस मिसाइल में MIRV तकनीक का परीक्षण किया गया है। इसका मतलब एक मिसाइल में कई ऐसे वॉरहेड ले जाने की क्षमता विकसित करना है, जिन्हें अलग-अलग लक्ष्यों की ओर भेजा जा सकता है। 2024 के बाद मई 2026 में भी कई पेलोड के साथ परीक्षण हुआ। FAS का अनुमान है कि अग्नि-V संभवतः तीन वॉरहेड ले जा सकती है, हालांकि ऐसा करने पर इसकी अधिकतम रेंज प्रभावित हो सकती है। FAS के मुताबिक, भारत अपनी न्यूक्लियर ट्रायड को भी मजबूत कर रहा है। इसका मतलब है कि देश जमीन, हवा और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की क्षमता विकसित कर रहा है। भारत ने अप्रैल 2026 में अपनी तीसरी स्वदेशी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी INS अरिधमान को कमीशन किया। FAS के मुताबिक इस पनडुब्बी में 8 मिसाइल ट्यूब हैं, यह क्षमता INS अरिहंत और INS अरिघात में मौजूद संख्या से दोगुनी है। अरिहंत- क्लास पनडुब्बी, INS अरिसुदन पनडुब्बियों को 2027 में कमीशन किए जाने की योजना है। FAS के मुताबिक, भारत की परमाणु नीति लंबे समय से पाकिस्तान को ध्यान में रखकर बनाई गई है। लेकिन अब भारत लंबी दूरी की मिसाइलें और समुद्र से परमाणु हमला करने की क्षमता भी बढ़ा रहा है। इससे भारत की परमाणु ताकत का फोकस चीन तक भी बढ़ रहा है। भारत की घोषित नीति 'नो फर्स्ट यूज' की है। यानी भारत पहले परमाणु हथियार इस्तेमाल नहीं करने की बात कहता है। इसके बावजूद, नए मिसाइल सिस्टम और परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण से दक्षिण एशिया में परमाणु ताकत का संतुलन बदल रहा है।

बीजेपी ने 7 प्रभारियों ...

भाजपा ने सभी नवनियुक्त प्रभारियों को संबंधित मोर्चा अध्यक्षों से बातचीत कर जल्द काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। भाजपा की ओर से घोषित सात प्रभारियों में सबसे ज्यादा दो नेता मध्य प्रदेश से हैं। पार्टी ने अलग-अलग सामाजिक वर्गों के बीच संगठन की पकड़ मजबूत करने के लिए अनुभवी नेताओं को जिम्मेदारी दी है। प्रभारियों को राज्यों में संगठन की जरूरत के हिसाब से टीम तैयार करने और मोर्चों की गतिविधियों को सक्रिय बनाने का काम सौंपा गया है इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान किया था। नई टीम में कुल 65 सदस्यों को जगह दी गई है। इनमें 12 महिला सदस्य हैं, जो कुल टीम का करीब 18 प्रतिशत हिस्सा हैं। पार्टी ने नई टीम में अनुभव और नए चेहरों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। कुल 65 सदस्यों में 14 नेताओं को दोबारा जिम्मेदारी दी गई है, जबकि 51 नए चेहरों को संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका मिली है। नई टीम में 73 वर्षीय वसुंधरा राजे सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं, जबकि 35 वर्षीय डॉक्टर हेमांग जोशी सबसे युवा सदस्य हैं। इससे संकेत मिलता है कि पार्टी ने राष्ट्रीय संगठन में वरिष्ठ अनुभव के साथ युवा नेतृत्व को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की है। भाजपा की नई टीम में आने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए कई राज्यों को खास प्रतिनिधित्व मिला है। अगले साल चुनाव वाले उत्तर प्रदेश से आठ नेताओं को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा उत्तराखंड और गुजरात से चार-चार तथा पंजाब से दो नेताओं को जगह मिली है। इन चार राज्यों से कुल 18 चेहरे नई टीम का हिस्सा बने हैं। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में प्रदेश से आठ नेताओं को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया जाना संगठनात्मक और चुनावी दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पहचान के आधार...

घटना 6 सितंबर 2026 की रात करीब 11:30 बजे की है।

हाईकोर्ट ही सुनवाई ...

वह बिल्डिंग में हॉस्टल डेज नाम से PG चला रहा था। उसका पार्टनर शुभम त्यागी फरार है। दोनों ने अगस्त 2025 में बिल्डिंग लीज पर ली थी। इससे पहले बिल्डिंग मालिक हरिराम बंसल, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटे महेश और लेबर कॉन्ट्रैक्टर सनोज को गिरफ्तार किया जा चुका है। सोमवार रात हरिराम बंसल, उनकी पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। जस्टिस भव्य खराल ने हरिराम और उर्मिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जबकि महेश को 2 दिन की पुलिस हिरासत मिली। पुलिस रिमांड के दौरान महेश ने बताया कि PG चलाने वाली कंपनी की शिकायत पर बेसमेंट में जमा पानी और सीलन की दिक्कत दूर करने के लिए मरम्मत कराई जा रही थी। बेसमेंट से पानी निकालने के बाद निर्माण कार्य के दौरान पावर ट्रोवेल मशीन भी चलाई जा रही थी।

साउथ जोन के खिलाफ फाइनल ड्रॉ रहा, कप्तान ईशान किशन का दोहरा शतक

ईस्ट जोन तीसरी बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बना

शानदार

नई दिल्ली, एजेंसी

ईस्ट जोन तीसरी बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बन गया है। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ फाइनल ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन को विजेता घोषित किया गया। कप्तान ईशान किशन के दोहरे शतक की मदद से टीम ने पहली पारी में 708 रन बनाए थे। ईशान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। ईस्ट जोन ने इससे पहले 2011-12 और 2012-13 में दलीप ट्रॉफी जीती थी। 2011-12 में उसने

फाइनल में सेंट्रल जोन को पारी और 20 रन से हराया था, जबकि 2012-13 का फाइनल ड्रॉ रहा था और पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन चैंपियन बना था। इसके बाद अब ईस्ट जोन ने 14 साल बाद तीसरी बार खिताब अपने नाम किया।

इसके जवाब में साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से देवदत्त पडिक्कल ने 62 रन और कप्तान तिलक वर्मा ने 99 रन बनाए। चामा मिलिंद ने 43 और नारायण जगदीशन ने 32 रन की पारी खेली। ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार ने 3 और मोहम्मद शमी ने 2 विकेट लिए। दलीप ट्रॉफी 2026 में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में सबसे ज्यादा 409 रन बनाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 270 रन रहा। साउथ जोन के तिलक वर्मा 266 रन के साथ दूसरे और ईस्ट जोन के कुमार कुशाग्र 224 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं। दलीप ट्रॉफी में वेस्ट जोन सबसे सफल टीम है, जिसने अब तक 19 खिताब जीते हैं। नॉर्थ जोन 18 खिताब के साथ दूसरे और साउथ जोन 14 खिताब के साथ तीसरे नंबर पर है। साउथ जोन ने इनमें से 2 बार ट्रॉफी शेयर की थी।

ईस्ट जोन की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही

ईस्ट जोन की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 13 रन के स्कोर पर अभिमन्यु ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी के विकेट गंवा दिए। इसके बाद शिखर मोहन ने 52 और ईशान किशन ने 80 रन बनाकर पारी को संभाला। कुमार कुशाग्र ने भी 46 रन बनाए। अनुकूल राय ने 64 और एमडी कौनैन कुरैशी ने नाबाद 116 रन की पारी खेली।

ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का स्कोर बनाया था। कप्तान ईशान किशन ने 270 रन की शानदार पारी खेली, जबकि कुमार कुशाग्र ने 101 रन बनाए। शिखर मोहन ने 85 और अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 रन का योगदान दिया। वैभव सूर्यवंशी ने 44 रन बनाए।

एशियन गेम्स से पहले डोपिंग के दो मामले

17 साल के तैराक पर 18 महीने का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स से पहले भारत के दो खेलों में डोपिंग के मामले सामने आए हैं। 17 साल के एक भारतीय तैराक पर प्रतिबंधित टरबुटालाइन मिलने के बाद 18 महीने का बैन लगाया गया है, जिससे वह एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले सकेगा।

वहीं ग्रीको रोमन पहलवान दीपक के 31 मई को लिए गए यूरिन सैंपल में प्रतिबंधित क्लोमीफीन मिला है। दीपक का मामला अभी डोपिंग रोधी प्रक्रिया में है और उन पर फिलहाल अस्थायी निलंबन नहीं लगाया गया है। दोनों खिलाड़ी एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई कर चुके थे। तैराक ने दो इवेंट के लिए जगह बनाई थी, जबकि दीपक ने 31 मई को लखनऊ में हुए चयन ट्रायल में जीत हासिल कर टीम में जगह बनाई थी।

17 सान के तैराक के सैंपल में

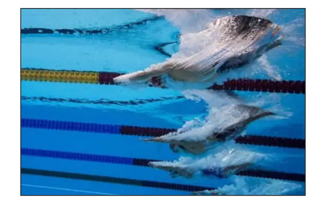

फरवरी में टरबुटालाइन पाया गया था। यह एंटी-डोपिंग नियमों के तहत प्रतिबंधित बीटा-2 एगोनिस्ट है। इसके बाद उसका नाम एशियन गेम्स की संभावित टीम से हटा दिया गया था। मामले की सुनवाई पिछले हफ्ते हुई और बुधवार सुबह उस पर 18 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (SFI) ने सुनवाई जल्द कराने की मांग की थी, ताकि अगर उसे राहत मिलती तो एशियन गेम्स के लिए टीम में शामिल किया जा सके। खिलाड़ी नाबालिग होने के कारण उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है।

बांग्लादेश से 8 मैचों से नहीं हारी भारतीय विमेंस टीम

एशिया कप सेमीफाइनल आज, शतक लगा चुकीं स्मृति पर नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में भारत का सामना बांग्लादेश से होगा। मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रात 8 बजे से शुरू होगा।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। वहीं, भारत पिछले 8 विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में बांग्लादेश के खिलाफ अजेय है। बांग्लादेश ने आखिरी बार 13 जुलाई 2023 को भारत को हराया था।

दोनों के बीच अब तक 24 इंटर-नेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने 21 मैच जीते हैं।

भारत ने ग्रुप-A में अपने तीनों मैच जीतकर 6 अंकों के साथ टॉप किया। टीम ने थाईलैंड को 94 रन, हॉन्गकॉन्ग को 137 रन और

पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया।

बांग्लादेश ग्रुप-B में 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। उसने इंडोनेशिया को 71 रन और UAE को 34 रन से हराया, जबकि श्रीलंका के खिलाफ उसे 4 विकेट से हार मिली। भारत की ओपनर स्मृति मंधाना टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 3 मैचों में 178.82 की स्ट्राइक रेट से 152 रन बनाए हैं। इसमें हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 124 रन की शतकीय पारी भी शामिल है। उनकी ओपनिंग पार्टनर शेफाली वर्मा ने भी 3 मैचों में 104 रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा भारत की सबसे सफल गेंदबाज रही हैं। उन्होंने 3 मैचों में 1.90 की इकोनॉमी से 8 विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन बिना रन दिए 3 विकेट है। दीप्ति के अलावा नंदनी शर्मा और प्रेमा रावत ने 5-5 विकेट लिए हैं। बांग्लादेश की ओर से शोभना मोस्तारी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 86.52 की स्ट्राइक रेट से 77 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 40 रन है। गेंदबाजी में मारुफा अक्तर ने 3 मैचों में 8 विकेट लिए हैं।

चोटिल हर्षित राणा बाहर, इंग्लैंड दौरे पर खेला था आखिरी मैच

यश ठाकुर को अफगानिस्तान टी 20 सीरीज एशियन गेम्स में मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज यश ठाकुर को अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज और एशियन गेम्स के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें चोटिल हर्षित राणा की जगह दोनों स्क्वॉड में मौका मिला है।

हर्षित हैमस्ट्रिंग चोट से पूरी तरह नहीं उबर सके हैं। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच इंग्लैंड दौरे पर खेला था। BCCI ने गुरुवार को टीम में इस बदलाव की पुष्टि की।

हर्षित राणा ने भारत के लिए अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच इंग्लैंड दौरे पर खेला था। इसके बाद से वे चोट के कारण टीम से

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीनों टी-20 मैच दिल्ली में 13 सितंबर से खेले जाएंगे। इसके बाद भारतीय टीम 22 सितंबर को टोक्यो में जापान के खिलाफ एकमात्र मैच खेलेगी। इसके बाद भारत 28 सितंबर से एशियन गेम्स में अपना अभियान शुरू करेगा।

बाहर हैं। राणा को वॉशिंगटन सुंदर जैसी हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। हालांकि, सुंदर अब फिट हो चुके हैं और उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए फिट घोषित किया गया है। 27 साल के यश ठाकुर विदर्भ के तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने जुलाई में भारत के जिम्बाब्वे दौरे पर अपना टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। यश ने इस दौरे पर दो मैच खेले और चार विकेट लिए। घरेलू टी-20 में भी उनका रिकॉर्ड अच्छा है। उन्होंने 50 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैचों में 81 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 7.04 रहा है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारत की अपडेटेड टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर।

2026 एशियन गेम्स के लिए भारत की टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेट-कीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर।

बुमराह और नीतीश भी फिटनेस के आधार पर टीम में

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को भी अफगानिस्तान सीरीज के लिए फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया है। बुमराह बाएं घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। वह जुलाई में भारत के इंग्लैंड दौरे के बाद से क्रिकेट से दूर हैं। वहीं, नीतीश रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं। BCCI सूत्र के मुताबिक, बुमराह और नीतीश दोनों की वापसी सही दिशा में है।

मनोरंजन

सिद्धार्थ-कियारा का दिखा रेट्रो अंदाज, परिणीति, रवि किशन और अमीषा पटेल ने भी तस्वीरें शेयर कीं

एआई से 80 के दशक के दौर में पहुंचे सेलेब्स

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर 80s का रेट्रो ट्रेंड वायरल हो रहा है। इसमें लोग AI की मदद से अपनी तस्वीरों को 80s के अंदाज में बदलकर शेयर कर रहे हैं। कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, श्रुति हासन समेत कई सेलेब्स भी इस ट्रेंड का हिस्सा बने हैं।

कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ AI से बनाई तस्वीर शेयर की। इसमें दोनों रेट्रो अवतार में नजर आए। सिद्धार्थ ने डबल-डेनिम लुक के साथ डार्क एविएटर सनग्लासेस पहने। वहीं कियारा ने 80s के रंगीन

एक्टर रवि किशन ने भी इस वायरल एआई ट्रेंड में हिस्सा लिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर 80 दशक के अंदाज में अपनी एआई-जेनरेटेड तस्वीर शेयर की। तस्वीर में उनका लुक 1980s के बॉलीवुड हीरो जैसा नजर आया।

फैशन को अपनाया। वह पिंक आउटफिट में नजर आईं, जिसमें पफ स्लीव्स थीं। उन्होंने बड़े हूप ईयररिंग्स और चूड़ियां पहनीं। कियारा ने पोस्ट में सिद्धार्थ की अपकमिंग फिल्म 'द व्वान' के

रोमांटिक ट्रैक 'समझो ना' को भी एड किया। दूसरी ओर, श्रुति हासन 80s से कुछ दशक पीछे 1960s के लुक में नजर आईं। तस्वीर में वह प्रिंटेड टॉप, मैचिंग हेडस्कार्फ और ब्लू जींस पहने दिखीं। आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप ने भी सोशल मीडिया पर अपने रेट्रो अंदाज की तस्वीर शेयर की। रणबीर कपूर की बहन और एक्ट्रेस रिद्धिमा कपूर साहनी भी 80s के AI ट्रेंड में शामिल हो गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उनका लुक 1980 के दशक के अंदाज में नजर आया। रिद्धिमा ने तस्वीर के साथ लिखा, "जब 80s ने बुलाया, तो मैंने इसी अंदाज में जवाब दिया।" रिद्धिमा ने इसी साल कॉमेडी फिल्म 'दादी की शादी' से एक्टिंग की शुरुआत की है। फिल्म में उनकी मां नीतू कपूर और कपिल शर्मा भी नजर आए थे। वहीं, डेजी शाह ने भी इस ट्रेंड में हिस्सा लिया। AI से बनाई तस्वीरों में वह 80s की हीरोइन जैसी नजर आईं। उनका हेयरस्टाइल और पूरा लुक पुराने दौर की याद दिलाता है। एक्टर अभय वर्मा ने भी 1980 के दशक वाला अंदाज अपनाया। उन्होंने लंबे घुंघराले बालों और डेनिम आउटफिट में तस्वीरें शेयर कीं। अभय जल्द ही शाहरुख खान के साथ 'किंग' में नजर आएंगे।

परिणीति और राघव भी ट्रेंड में शामिल हुए

परिणीति चोपड़ा ने पति राघव चड्ढा के साथ विंटेज स्टाइल की कई तस्वीरें शेयर कीं। अमीषा पटेल भी रेट्रो लुक में नजर आईं। उन्होंने वन-शोल्डर टॉप और डेनिम शॉर्ट्स के साथ नियोन पिंक आउटफिट पहना। उन्होंने लेग वॉर्मर्स और व्हाइट-पिंक स्नीकर्स पहने और एक बड़े बूमबॉक्स पर बैठी नजर आईं।

पैपराजी पर भड़कीं तारा करीब आने पर एक्ट्रेस ने कैमरा हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस तारा सुतारिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जिसमें एक्ट्रेस पैपराजी पर भड़क गईं। वीडियो में तारा एक पैपराजी का कैमरा हटाती नजर आ रही हैं, जो कथित तौर पर उनके काफी करीब आ गया था।

वीडियो में तारा मुंबई में एक स्टोर की ओर जाती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने सफेद रंग का आउटफिट पहना है और ब्लैक सनग्लासेस लगाए हैं। स्टोर के बाहर पैपराजी की भीड़ नजर आती है, जबकि उनकी टीम के सदस्य छतरियों से उन्हें कवर करने की कोशिश करते हैं।

इसी दौरान एक पैपराजी कैमरा लेकर तारा के काफी करीब आता दिखाई देता है। तारा उसका कैमरा एक तरफ कर देती हैं और बिना रुके स्टोर की ओर बढ़ जाती हैं। इससे

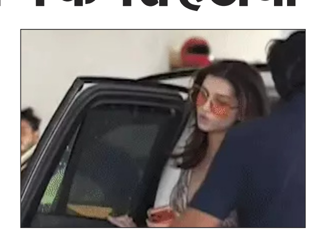

पहले पिछले महीने भी तारा का एक वीडियो सामने आया था। तारा सुतारिया जैसे ही अपनी गाड़ी से नीचे उतरीं, वहां पहले से ही पैपराजी की भारी भीड़ जमा थी। कैमरे और फ्लैशलाइट्स को देखते ही तारा के हाव-भाव पूरी तरह बदल गए और उन्होंने कार का दरवाजा बहुत जोर से बंद किया।

दरवाजा बंद करने के बाद पैपराजी लगातार उनका नाम पुकारते रहे और उनसे पोज देने की बात कही, लेकिन तारा ने पैपराजी की तरफ मुड़कर देखा तक नहीं और सीधे बिल्डिंग के एंट्री गेट की तरफ बढ़ गईं।

सलीम खान को मिला राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

हेलन ने लिया, कहा-उनकी तबीयत ठीक

नई दिल्ली। वेटरन स्क्रीनराइटर और लिरिसिस्ट सलीम खान को हिंदी सिनेमा में योगदान के लिए 62वें महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवॉर्ड्स 2026 समारोह में सम्मानित किया गया। बुधवार को सेरेमनी का आयोजन हुआ, हालांकि सलीम खान खुद इसमें नहीं पहुंचे। उनकी ओर से हेलेन अवॉर्ड लेने पहुंचीं। तबीयत खराब होने के कयास पर हेलेन ने कहा है कि वो बिल्कुल ठीक हैं। वहीं रानी मुखर्जी को भी समारोह में अवॉर्ड मिला है। समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में हेलेन ने सलीम खान की सेहत का अपडेट दिया। हेलेन ने कहा, "मैं सलीम साहब के लिए यह अवॉर्ड पाकर आभारी हूं। उनकी सभी फिल्में मेरी पसंदीदा हैं। उनकी सेहत बहुत अच्छी है। वे बहुत मजबूत इंसान हैं। वह आप सभी, पूरे महाराष्ट्र और भारत के लोगों को शुभकामनाएं भेजते हैं।"

हेलेन और सलीम खान का प्रोफेशनल रिश्ता कई दशक पुराना है। दोनों ने 1963 की फिल्म 'कबली खान' में पहली बार साथ काम किया था। इस फिल्म में हेलेन ने फीमेल लीड रोल निभाया था। सलीम खान फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आए थे।

दोनों 1978 में फिल्म 'डॉन' के दौरान फिर साथ आए। अमिताभ बच्चन स्टारर इस फिल्म की कहानी सलीम-जावेद की जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म में हेलेन ने कामिनी का किरदार निभाया था। वह लोकप्रिय गाने 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' में भी नजर आई थीं।

एपी ढिल्लों भी नजर आए, एपल के सीईओ जॉन टर्नस से मुलाकात की

आईफोन 18 के लॉन्च इवेंट में पहुंची तृप्ति डिमरी

नई दिल्ली। एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी और सिंगर एपी ढिल्लों बुधवार को अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित क्यूपर्टिनो पहुंचे। दोनों ने यहां आयोजित एपल के आईफोन 18 लॉन्च इवेंट में हिस्सा लिया।

इस खास कार्यक्रम में तृप्ति और एपी ढिल्लों को नए आईफोन 18 प्रो मॉडल देखने का मौका मिला। इस दौरान एपल के सीईओ जॉन टर्नस ने दोनों से मुलाकात की। उन्होंने सेलेब्स को नए आईफोन के फीचर्स भी दिखाए।

इवेंट में तृप्ति डिमरी रेड कोट और डेनिम में नजर आईं। वहीं एपी ढिल्लों ग्रे जैकेट में दिखाई दिए। तृप्ति डिमरी लाइव स्ट्रीमर आईशोस्पीड की लाइवस्ट्रीम में भी कुछ देर नजर आईं।

सोशल मीडिया पर सामने आए

तृप्ति डिमरी ने एपी ढिल्लों के साथ भी तस्वीर शेयर की।

वीडियो में जॉन टर्नस को दोनों भारतीय कलाकारों से बातचीत करते देखा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने नए आईफोन के बारे में भी जानकारी दी। आईफोन 18 प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 लाख रुपए और आईफोन 18 प्रो मैक्स की 1,79,900 रुपए है। इनकी बुकिंग 12 सितंबर से और बिक्री 18 सितंबर से शुरू होगी। इनके अलावा, इवेंट में एयरपॉड्स 5, एपल वॉच सीरीज 12 और वॉच अल्ट्रा 4 भी आए हैं।

इवेंट में तृप्ति डिमरी ने एपल के सीईओ जॉन टर्नस के साथ तस्वीरें क्लिक करवाईं।

एपल ने पहला फोल्डेबल आईफोन डुओ लॉन्च किया

एपल ने बुधवार रात लॉन्च इवेंट 'सरप्राइज एंड शाइन' में अपने पहले फोल्डेबल फोन आईफोन डुओ के साथ 6 डिवाइस लॉन्च किए। आईफोन डुओ में 5.4-इंच का कवर डिस्प्ले और अंदर 7.6-इंच की मेन स्क्रीन है, जो अब तक के किसी भी आईफोन का सबसे बड़ा डिस्प्ले है।

आईफोन डुओ में पहली बार डुअल-बैटरी सिस्टम दिया गया है। इसमें फिजिकल सिम कार्ड नहीं लगेगा, यानी यह केवल ई-सिम पर चलेगा। डुओ एपल का अब तक का सबसे महंगा आईफोन है। इसकी शुरुआती कीमत करीब 3 लाख रुपए है, जबकि टॉप मॉडल की कीमत 4.50 लाख रुपए तक जाती है। भारत में इसकी बुकिंग 16 अक्टूबर से और बिक्री 23 अक्टूबर से शुरू होगी। साथ ही एपल ने इस बार आईफोन 18 सीरीज में सिर्फ प्रीमियम मॉडल 18 प्रो और 18 प्रो मैक्स लॉन्च किए हैं।

इस पर 128 लाख करोड़ खर्च करने होंगे, यह पाकिस्तान की इकोनॉमी का 3.3 गुना

मिडटर्म चुनाव जीता तो हर वोटर को 5 लाख : ट्रम्प

संबोधन

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि नवंबर के मिडटर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में बहुमत बरकरार रखती है, तो हर बालिग अमेरिकी को 5000 डॉलर (करीब 4.76 लाख रुपए) दिए जाएंगे।

ट्रम्प ने यह बयान डलास में रिपब्लिकन कन्वेंशन को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने इसे 'ट्रम्प डिविडेंड' नाम दिया और कहा कि यह अमेरिका की 'आर्थिक ताकत और सफलता' की वजह से दिया

जाएगा। ट्रम्प ने ये भी कहा कि डिविडेंड की रकम अमेरिका में ही खर्च करनी होगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा, भुगतान का दायरा क्या होगा और रकम किस तरह बांटी जाएगी।

अमेरिका में करीब 26.98 करोड़ वयस्क हैं। अगर सभी को 5,000 डॉलर दिए जाएं तो कुल खर्च करीब 1.35 ट्रिलियन डॉलर यानी 128.25 लाख

विश्व बैंक के 2025 के आंकड़े के मुताबिक इससे ज्यादा सिर्फ 19 देशों की जीडीपी है। यहां तक की यह पाकिस्तान की पूरी अर्थव्यवस्था से करीब 3.3 गुना ज्यादा है। पाकिस्तान की जीडीपी करीब 407.3 अरब डॉलर यानी 38.69 लाख करोड़ है।

करोड़ रुपए होगा। यह रकम दुनिया के करीब 162 देशों की इकोनॉमी से ज्यादा है।

ट्रम्प इससे पहले भी अमेरिकी नागरिकों को सीधे पैसा देने की बात कर चुके हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने 2,000 डॉलर के डिविडेंड का प्रस्ताव रखा था। उस समय उन्होंने कहा था कि इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी नहीं होगी। पिछले साल ट्रम्प ने अमेरिकी सैनिकों को 1776 डॉलर का भुगतान किया था, जिसे उन्होंने 'वॉरियर डिविडेंड' कहा था। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव राष्ट्रपति चुनाव के दो साल बाद होते हैं। इसमें प्रतिनिधि सभा की सभी सीटों और सीनेट की करीब एक-तिहाई सीटों के लिए चुनाव होता है। रिपब्लिकन इस बार प्रतिनिधि सभा में अपने बेहद मामूली बहुमत को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सीनेट में भी पार्टी को चुनौती मिल रही है।

अमेरिका की जीडीपी के 4% के बराबर खर्च

2025 में अमेरिका की अर्थव्यवस्था करीब 30.8 ट्रिलियन डॉलर की थी। हर बालिग अमेरिकी को 5,000 डॉलर देने की योजना पर करीब 1.3 ट्रिलियन डॉलर खर्च होगा। इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होगी।

यह रकम अमेरिका की 2025 की GDP के करीब 4.2% के बराबर है। वहीं, अमेरिका का सालाना बजट घाटा करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर है। यानी इस योजना से सरकारी खर्च और घाटे पर और दबाव बढ़ सकता है। अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज भी पहले ही 40 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है। ऐसे में इतनी बड़ी रकम बांटने से सरकारी कर्ज और महंगाई को लेकर चिंता बढ़ सकती है।

ट्रम्प ने बुधवार रात डलास में रिपब्लिकन कन्वेंशन को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति वेंस बोले- अमीरों को नहीं मिलेगा पैसा

ट्रम्प के ऐलान के करीब एक घंटे बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि डिविडेंड का लाभ अमीर लोगों को नहीं मिलेगा। वेंस ने बताया कि इस भुगतान के लिए सरकार को मिलने वाले टैरिफ राजस्व का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, टैरिफ से मिलने वाली रकम 5,000 डॉलर प्रति बालिग के भुगतान की अनुमानित लागत से काफी कम है।

भारत के परमाणु हथियारों के जखीरे में 190 वॉरहेड, रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत के परमाणु हथियारों के जखीरे में अनुमानित 190 वॉरहेड हैं, जिनमें बन रही नई मिसाइलों के लिए 30 अतिरिक्त वॉरहेड भी शामिल हैं। इस बात का खुलासा एक रिपोर्ट में किया गया है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (FAS) ने ये अनुमान ओपन सोर्स, सरकारी डेटा और कमर्शियल सैटेलाइट इमेज के विश्लेषण से लगाए हैं। एफएएस न्यूक्लियर इन्फॉर्मेशन प्रोजेक्ट के डायरेक्टर हैंस क्रिस्टेंसन के लेख इंडियाज न्यूक्लियर वेपन्स 2026 के अनुसार, परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम डिलीवरी फोर्स के स्ट्रक्चर और रणनीति के बारे में उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी के आधार पर हमारा अनुमान है कि भारत ने लगभग 190 परमाणु वॉरहेड बनाए होंगे।

इसमें कहा गया है कि भारत के परमाणु हथियारों के जखीरे में ऑपरेशनल लॉन्चर के लिए 160 से ज्यादा वॉरहेड और बन रही नई

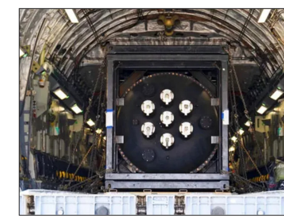

- भारत के पास अनुमानित 190 परमाणु वॉरहेड मौजूद हैं।
- नई मिसाइलों के लिए 30 अतिरिक्त वॉरहेड बन रहे हैं।
- भारत 'नो-फर्स्ट-यूज' नीति का पालन करता

मिसाइलों के लिए अतिरिक्त वॉरहेड शामिल हैं। हाल के वर्षों में कई नए हथियार सिस्टम तैनात किए गए हैं और कई अन्य सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, जो मौजूदा परमाणु-सक्षम विमानों, जमीन से मार करने वाले डिलीवरी सिस्टम और समुद्र-आधारित सिस्टम की जगह लेंगे या उनके साथ मिलकर काम करेंगे।

फास्ट न्यूज

फिलीपींसः पर्यटन स्थल के पास नौका में लगी भीषण आग

मनीला। फिलीपींस के पलावन प्रांत के पास एक फेरी में बुधवार शाम भीषण आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि 87 लोग अभी भी लापता हैं। यह हादसा पलावन प्रांत में प्रमुख पर्यटन स्थल के पास हुआ। फिलीपींस के खूबसूरत पलावन प्रांत में सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय पर्यटन स्थल एल निडो और पुएर्टो प्रिंसेसा सबटेरियन रिवर हैं।

सऊदी अरब पर हूती हमलों से बढ़ा तनाव

रियाद। सऊदी अरब ने मंगलवार को हार्मिस मुशैत और नजदीक के तीन शहरों पर हूती के हमलों के बाद लागू अलर्ट हटा लिया है। इन हमलों में सऊदी अरब के कई तेल ठिकानों और सैन्य अड्डे को नुकसान हुआ है। लेकिन सऊदी अरब ने नुकसान का ब्योरा नहीं दिया है। जबकि मंगलवार-बुधवार की रात हूती के कब्जे वाले यमन के इलाकों में सऊदी अरब के समर्थक सुरक्षा बलों ने बमबारी की। इस बीच पाकिस्तान ने कहा है कि हूती सऊदी अरब पर हमलों से बाज आए अन्यथा सऊदी अरब-पाकि-स्तान-तुर्किये का सैन्य गठबंधन सक्रिय हो जाएगा।

जॉर्डन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान का मिसाइल हमला

अम्मान। अमेरिका ने बीते कुछ दिनों में ईरान के कई तेल टैंकर तबाह किए। वहीं ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इन हमलों के बाद कहा था कि अमेरिका के इन हमलों का जवाब जल्द ही दिया जाएगा। CBS की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने जॉर्डन में गुरुवार तड़के अमेरिकी एयरबेस पर एक के बाद एक कई हमले किए, जिससे अमेरिका के कई मिलिट्री एयरक्राफ्ट को नुकसान पहुंचा है।

बांग्लादेश सेना का चीनी टैंक फायरिंग अभ्यास में फटा

2 सैनिकों की मौत, एक अधिकारी गंभीर

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के चटगांव में बुधवार को सेना के फायरिंग अभ्यास के दौरान चीन में बना टाइप 59 टैंक फट गया। हादसे में टैंक के अंदर मौजूद दो सैनिकों की मौत हो गई। एक सैन्य अधिकारी गंभीर रूप से घायल है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट (ISPR) के मुताबिक, सैनिक टैंक से फायरिंग कर रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। घायल अधिकारी को बेहतर इलाज के लिए ढाका के कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (CMH) ले जाया जा रहा है। हादसे की वजह अभी तक साफ नहीं है। हादसे में शामिल टैंक चीन में बना टाइप-59 है, जिसका इस्तेमाल बांग्लादेश की सेना करती है। टाइप-59 चीन में बना एक पुराना मुख्य युद्धक टैंक है। इसे चीन का पहला ऐसा टैंक भी माना जाता है, जिसे बड़ी संख्या में बनाया गया था। चीन के अलावा

पाकिस्तान, ईरान, उत्तर कोरिया जैसे कई देशों की सेनाओं ने इसका इस्तेमाल किया है। इनमें बांग्लादेश भी शामिल है। टाइप-59 सैन्य टैंक काफी पुराना है, लेकिन समय के साथ इसके कई नए वर्जन और अपग्रेड तैयार किए गए। इनमें ज्यादा बेहतर तोप, फायर-कंट्रोल सिस्टम, रात में देखने की सुविधा और टैंक की सुरक्षा बढ़ाने वाले उपकरण जोड़े गए। बांग्लादेश ने भी अपने पुराने T-59 टैंकों को अपग्रेड किया है। द डेली स्टार ने 2015 में रिपोर्ट किया था कि बांग्लादेश अपनी सेना के करीब 174 T-59 टैंकों को अपग्रेड करने की योजना पर काम कर रहा था।

35 टन राहत सामग्री काठमांडू पहुंची ■ बाढ़ में अब तक 1367 शव बरामद

भारत ने नेपाल के लिए 8वीं राहत खेप भेजी

नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद भारत ने 35 टन राहत और बचाव सामग्री की 8वीं खेप भेजी। भारतीय वायुसेना का विमान बुधवार को काठमांडू पहुंचा। इसके साथ भारत अब तक 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री भेज चुका है।

खेप में टेंट, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप, दवाएं और रेस्क्यू उपकरण शामिल हैं। भारत ने राहत अभियान 26 अगस्त को शुरू किया था। नेपाल पुलिस के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक 1367 शव बरामद हुए हैं। 102 शवों की पहचान हो चुकी है। पहचान के लिए DNA सैंपल जुटाए जा रहे हैं और भारत समेत कई देशों के फोरेंसिक

विशेषज्ञ मदद कर रहे हैं। भारत ने राहत सामग्री के साथ 54 विशेषज्ञों को भी नेपाल भेजा है। इनमें टनल रेस्क्यू और फोरेंसिक विशेषज्ञ शामिल हैं। विशेष रेस्क्यू टीम नेपाली सेना के साथ चिलिमे और लांगटांग में अभियान चला रही है, जबकि फोरेंसिक विशेषज्ञ काठमांडू की दो लैब में DNA जांच में मदद कर रहे हैं।

भारत ने इसके लिए DNA किट, रिऐजेंट और प्रोफाइलिंग उपकरण भी उपलब्ध कराए हैं।

नेपाल के नुवाकोट जिले के देवीघाट में फ्लैश फ्लड और भूस्खलन के बाद कीचड़ से दबे मकान।

चिलिमे टनल में 105 मीटर तक पहुंची नेपाली-भारतीय सेना की टीम

रसुवा जिले के चिलिमे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में नेपाली और भारतीय सेना की टीम मिलकर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। टीम अब तक सर्विस टनल के अंदर करीब 105 मीटर तक पहुंच गई है।

प्रोजेक्ट तक जाने वाली सड़क से मलबा हटाने का काम भी चल रहा है। प्रभावित इलाके के दोनों तरफ आने-जाने के लिए रोप लाइन लगा दी गई है। बाढ़ आने के दिन ही नेपाली सेना की टीम मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने पहले इलाके का जायजा लिया और फिर टनल के मुहाने से मिट्टी और मलबा हटाकर अंदर गई। यहां से दो लोगों के शव बरामद किए गए। रेस्क्यू ऑपरेशन को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए मौके पर मौजूद एक्सकेवेटर के साथ बॉबकैट एक्सकेवेटर भी लगातार मलबा हटाने और खुदाई में लगाया गया है।

नेपाल बाढ़ में एआई से शवों की पहचान की कोशिश

नेपाल में भोटेकोशी नदी की बाढ़ के बाद लापता लोगों और अज्ञात शवों की पहचान के लिए FaceTagr AI तकनीक की मदद ली जा रही है। यह तस्वीरों और वीडियो में चेहरों का मिलान कर लापता लोगों से संभावित मैच तलाशती है।

FaceTagr हजारों रिकॉर्ड में से 5-10 संभावित मैच सामने लाता है। परिवार इन मैचों को देख सकते हैं, जबकि अंतिम पहचान नेपाल पुलिस या संबंधित सरकारी एजेंसियां करती हैं। FaceTagr से जुड़े समीर पंथी के मुताबिक, अब तक करीब 500 लापता लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। सिस्टम ने करीब 90 शवों की पहचान में मदद की है। हालांकि, यह नेपाल पुलिस के कुल आधिकारिक पहचान आंकड़े से अलग है।

मोल्दोवा से उड़ान भरते वक्त घटना ■ नॉर्वे किंग के अंतिम संस्कार में जा रहे थे

जेलेंस्की का प्लेन ड्रोन हमले से बाल-बाल बचा : नॉर्वे पीएम

ओस्लो/कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का प्लेन मंगलवार को मोल्दोवा से उड़ान भरते समय ड्रोन हमले की चपेट में आने से बच गया। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे ने बुधवार को सरकारी टीवी से बातचीत में यह दावा किया।

स्टोरे के मुताबिक जेलेंस्की का प्लेन मोल्दोवा से उड़ान भरने ही वाला था, तभी ड्रोन उसके करीब आ गया। हालांकि, उन्होंने ड्रोन की दूरी और जानकारी के स्रोत का खुलासा नहीं किया।

जेलेंस्की नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ओस्लो जा रहे थे। ड्रोन अलर्ट के कारण उनकी उड़ान में देरी हुई। बाद में मोल्दोवा के

तस्वीर 8 सितंबर को नॉर्वे के गार्डरमोएन एयरपोर्ट पर खड़े जेलेंस्की के प्लेन की है।

अधिकारियों ने देश में एक रूसी ड्रोन के गिरने की पुष्टि की और जेलेंस्की के विमान को उड़ान भरने की मंजूरी दी।

जेलेंस्की का मोल्दोवा के विमान चिशिनाउ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़ा था। ड्रोन की चेतावनी मिलने के बाद एयरस्पेस बंद कर दिया गया था। AP के मुताबिक, बाद में ड्रोन एयरपोर्ट से करीब 160 किलोमीटर दूर गिरकर नष्ट हो गया।

मोल्दोवा की राष्ट्रपति बोलीं- ड्रोन का घुसना लोगों की जान के लिए खतरा

मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया संदू ने ड्रोन के देश में घुसने की घटना को लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा बताया।

उन्होंने यूक्रेन की सीमा से लगे एक बॉर्डर क्रॉसिंग पर हुए रूसी ड्रोन हमले की भी निंदा की। मंगलवार को हुए इस हमले में दो लोगों की मौत हुई थी।

मोल्दोवा की ओर से ड्रोन को रूसी बताया गया है।

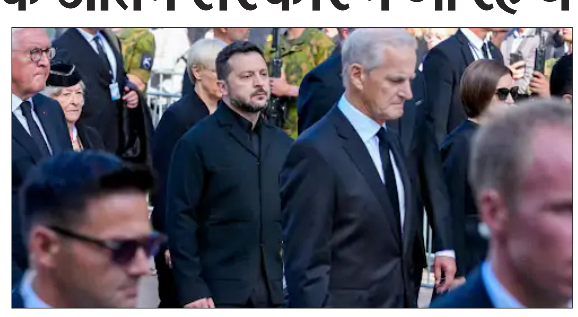

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे किंग हेराल्ड पंचम के ताबूत के पीछे चलते हुए।

मोल्दोवा के राजदूत बोले- ड्रोन का घुसना महज संयोग नहीं

अमेरिका में मोल्दोवा के राजदूत वलादिस्लाव कुलमिन्स्की ने CNN से बातचीत में कहा कि ड्रोन के गलती से मोल्दोवा में घुसने की संभावना कम है। जेलेंस्की का विमान एयरपोर्ट पर खड़ा हो और उसी समय एक जेट-प्रोपेल्ड ड्रोन मोल्दोवा में प्रवेश करे, इसे महज संयोग मानना मुश्किल है। जब उनसे पूछा गया कि क्या ड्रोन को जेलेंस्की के विमान को निशाना बनाने के लिए भेजा गया था, तो कुलमिन्स्की ने कहा कि मामले की जांच जारी है। अभी इस बारे में कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

हालांकि, यह साफ नहीं किया गया है कि ड्रोन को जानबूझ-कर जेलेंस्की के विमान को निशाना बनाने के लिए भेजा गया था या वह किसी दूसरे टारगेट की ओर जा रहा था।

ब्रिटेन छोड़ने पर रोक भारत कैसे लौटूं : माल्या

सोचता हूं कॉकरोच बन जाऊं 10 साल से लंदन में

लंदन, एजेंसी

लंदन में रह रहे कारोबारी विजय माल्या ने बुधवार देर रात फिर भारत सरकार पर अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में चल रही कानूनी प्रक्रिया के कारण वे भारत नहीं लौट पा रहे हैं।

माल्या ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में माना है कि उनकी 14,000 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति से बैंकों को वसूली हुई है। यह रकम उन बैंकों को लौटाई गई, जिनका पैसा किंगफिशर एयरलाइंस के कर्ज के रूप में बकाया था।

विजय माल्या पर किंगफिशर एयरलाइंस के लिए SBI समेत कई बैंकों से करीब 9,000 करोड़ का कर्ज लेने और उसे नहीं चुकाने का आरोप है। बैंकों का कर्ज नहीं चुकाने और CBI-ED की जांच के

बीच 2 मार्च 2016 यानी 10 साल 6 महीने पहले पहले वे माल्या भारत छोड़कर ब्रिटेन चले गए। बाद में उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया गया था। माल्या ने बुधवार देर रात भी X पर कई पोस्ट किए। इनमें उन्होंने हाल के कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शनों का जिक्र किया और कहा कि उनके साथ अब भी अन्याय हो रहा है। विजय ने एक पोस्ट में यह भी कहा, ₹मेरे साथ हो रहे अन्याय को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए।

संभावना : गलवान झड़प के बाद मोदी-जिनपिंग की भारत में पहली द्विपक्षीय बैठक संभव

जिनपिंग ब्रिक्स समिट में आ सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग BRICS शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आ सकते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है।

अगर यह बैठक होती है तो जून 2020 में हुई गलवान हिंसा के बाद दोनों नेताओं की भारत में पहली द्विपक्षीय बातचीत होगी। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने 4 सैनिकों की मौत की बात मानी थी।

हालांकि, जिनपिंग के भारत आने की पुष्टि अभी तक दोनों देशों ने नहीं की है। चीनी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। जिनपिंग

> भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 24 अगस्त को चीन गए थे। वहां 25 अगस्त को उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा विवाद समेत कई मुद्दों पर बातचीत की थी।

आखिरी बार 2019 में भारत आए थे। इस साल BRICS की कमान भारत के पास है। BRICS दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, ईरान, इथियोपिया, UAE और इंडोनेशिया भी शामिल हैं।

भारत की अध्यक्षता में पूरे साल अलग-अलग शहरों में बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कई स्तर की चर्चाएं हो रही हैं।

भारत का फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक, आतंकवाद से निपटने और सप्लाई चेन मजबूत करने पर है। यानी BRICS को सिर्फ राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश और विकास के बड़े मंच के तौर पर आगे बढ़ाने की कोशिश है।

सीमा विवाद समेत कई मुद्दे भारत के एजेंडे में

भारत और चीन के बीच सिर्फ सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि व्यापार और आर्थिक रिश्ते भी बातचीत का हिस्सा हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करना चाहता है।

इसके अलावा रेयर अर्थ मैगनेट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है।

जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2019 में भारत का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मोदी से मुलाकात की थी।

ट्रंप सरकार ने शेयर किया नस्लवादी पोस्टर भारतीय समुदाय भड़का

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (DHS) द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किया गया एक एआई-जनरेटेड पोस्टर इन दिनों भारी विवादों में घिर गया है। भारतीय-अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले इस पोस्टर में 'सेल्फ-डिपोर्ट या परिणाम भुगतने' जैसी चेतावनी दी गई है। ऐसे में जब इसे शेयर किया गया, तब इस कैंपेन को लेकर सोशल मीडिया से लेकर मानवाधिकार संगठनों तक में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है और आलोचक इसे 'नस्लवादी' तथा 'भारत विरोधी' बता रहे हैं।

पोस्टर में क्या दिखाया गया है?

बता दें कि ट्रंप प्रशासन के सख्त अवैध आप्रवासन अभियान के तहत DHS के आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर की गई थी। इसमें प्रसिद्ध 'ट्रांसफॉर्मर्स' फ्रेंचाइजी के कैरेक्टर्स का इस्तेमाल किया गया है। पोस्ट में मुख्य किरदार 'ऑप्टिमस प्राइम' को एक दाढ़ी वाले

भूरे रंग के व्यक्ति यानी 'मिस्टर सिंह' से यह कहते हुए दिखाया गया है कि सेल्फ-डिपोर्ट करो या परिणाम भुगतो। गौर करने वाली बात यह है कि इस पूरे विवाद की जड़ केवल पोस्ट और अप्रवासन नीति को लेकर सख्त संदेश नहीं है। इन सब के अलावा पोस्ट में यह भी लिखा गया है कि हमारे रास्तों से उतर जाओ, तुम गाड़ी चलाना नहीं जानते मिस्टर सिंह। अब इस बात में तो कोई दोहराई नहीं है कि भारतीय और सिख समुदाय में 'सिंह' उपनाम का अत्यधिक इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इसी आधार को देखते हुए इस टिप्पणी को सीधे तौर पर एक समुदाय विशेष को लक्षित करने वाला माना जा रहा है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676